विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, रविवार, 15 फरवरी 2026 | वर्ष- 11 | अंक- 68 | पेज- 08 | मूल्य- 5 रुपए /-

ज्ञानामृत

यदि आप धनवान हैं, तो विनम्र बनें। फल लगने पर पौधे झुक जाते हैं।

साईं बाबा

न्यूज इन शॉर्ट

किसान क्रेडिट कार्ड लोन 6 साल में चुका सकेंगे, आरबीआई का नया ड्राफ्ट जारी, मिट्टी जांच और जैविक खेती के लिए अलग फंड

नई दिल्ली, एजेंसी। किसान क्रेडिट कार्ड का लोन 6 साल में चुकाया जा सकेगा। यही नहीं अब पशुपालन और खेती के साथ-साथ मिट्टी

की जांच और मौसम के पूर्वानुमान जैसी आधुनिक तकनीकों के लिए भी आर्थिक मदद मिलेगी। इसके लिएआरबीआई यानी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने केसीसी स्कीम को और अधिक लचीला और आधुनिक बनाने के लिए संशोधित गाइडलाइंस का ड्राफ्ट जारी किया है और 6 मार्च 2026 तक लोगों से फीडबैक मांगा है। नए नियम कमर्शियल बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक, रीजनल रूरल बैंक और रूरल को-ऑपरेटिव बैंक पर लागू होंगे। इससे पहले 2019 में स्कीम को एनिमल हस्बेंड्री, डेयरी और फिशरीज के लिए एक्सपैंड किया गया था। किसान क्रेडिट कार्ड स्कीम की शुरुआत किसानों को खेती के लिए समय पर और सस्ता लोन उपलब्ध कराने के लिए हुई थी।

इंडिगो फ्लाइट में मिली बम की धमकी

मुंबई, एजेंसी। कोलकाता से शिलांग जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में बम होने की धमकी मिली है। टॉयलेट में संदिग्ध पर्चा मिलने पर यात्रियों को तुरंत उतारा गया और विमान को आइसोलेशन बे में ले जाकर सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई।

शनिवार को कोलकाता से शिलांग जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में बम की धमकी मिलने से अफरा-तफरी मच गई। यह फ्लाइट सुबह 9:15 बजे उड़ान भरने वाली थी। बोर्डिंग के दौरान क्रू मेंबर्स को विमान के टॉयलेट में एक पर्चा मिला, जिसमें विमान में बम होने की बात लिखी थी। इसके बाद तुरंत स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर लागू किया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतार लिया गया और एयरक्राफ्ट को आइसोलेशन बे में ले जाकर जांच शुरू कर दी गई। बम की सूचना पर्चे के जरिए मिली। यात्रियों को तुरंत विमान से उतारा गया।

भारत ने एआई इम्पैक्ट समिट के लिए पाकिस्तान को नहीं दिया न्योता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत 16 से 20 फरवरी 2026 तक एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करने जा रहा है। इस ग्लोबल समिट में 100 से अधिक देश शामिल हो रहे हैं, जिसमें आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस की पॉलिसी, इनोवेशन, एथिक्स, सिक्योरिटी और ग्लोबल कोऑपरेशन जैसे अहम विषयों पर मंथन होगा। हालांकि, इस बहुप्रतीक्षित समिट के लिए पाकिस्तान को आमंत्रित नहीं किया गया है, जिसे लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा शुरू हो गई है। यह सम्मेलन तीन मूलभूत सूत्रों- पीपुल (लोग), प्लेनेट (पृथ्वी) और प्रोग्रेस (प्रगति पर आधारित है। सूत्रों के अनुसार, समिट में भाग लेने वाले देशों का चयन रणनीतिक और नीतिगत मानकों के आधार पर किया गया है। भारत का जोर उन देशों के साथ सहयोग बढ़ाने पर है जो जिम्मेदार, सुरक्षित और मानव-केंद्रित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विकसित करने के साझा दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं।

शिवराज का राहुल गांधी पर आरोप, कब तक किसानों को गुमराह करने का काम करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बार-बार झूठ बोलकर किसानों को गुमराह करने में

जुटे हैं और भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर जनता में भ्रम पैदा कर रहे हैं। कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता किसानों, मछुआरों, कारीगरों, स्टार्टअप्स और लघु एवं मध्यम उद्यमों के अधिकारों की रक्षा करता है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत और अमेरिका के बीच हुए समझौते में देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। हमारे लघु एवं मध्यम उद्यमों, स्टार्टअप्स, किसानों, कारीगरों और मछुआरों के अधिकारों की रक्षा की गई है।

मुख्यमंत्री ने पंधाना के नवीन शासकीय सांदीपनि विद्यालय का किया शुभारंभ

प्रदेश में 5 लाख स्व-सहायता समूह की 62 लाख बहनें हुईं आत्मनिर्भर

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को सिंगल क्लिक से जारी किए 1836 करोड़ रुपए

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहनें मध्यप्रदेश की लक्ष्मी हैं, अन्नपूर्णा हैं, उनके लिए जितना करें, उतना कम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार सदैव नारी कल्याण के लिए दृढ़ संकल्पित है। सनातन संस्कृति में नारी का स्थान सर्वोपरि है। महा शिवरात्रि के पावन पर्व से पहले प्रदेश की लाड़ली बहनों को 1500 रुपए सम्मान राशि की अद्भुत सौगात मिल रही है। बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार बहनों के कल्याण के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में हमारी प्राथमिकता है कि बहनों को प्रशिक्षण मिले, उन्हें स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जाए और मेहनत की सही कीमत मिले। बहनें एक बगिया मां के नाम योजना और स्व-सहायता समूहों से जुड़कर अपनी आय बढ़ा रही हैं। हमारी बहनें लखपति दीदी के साथ अब ड्रोन दीदी भी बन रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित 5 लाख स्व-सहायता समूह के माध्यम से अब तक 62 लाख बहनें आत्मनिर्भर हुई हैं।

खेती में महिलाओं की भागीदारी से सशक्त होगी अर्थव्यवस्था

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य में दूध का उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को भावांतर योजना का लाभ मिला है। गेहूं का समर्थन मूल्य भी 2700 रुपए प्रति क्विंटल मिलेगा।

धार्मिक पर्यटन का अद्भुत केंद्र बनकर उभरेगा निमाड़

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खंडवा दादा धूनीवाले दादा, क्रांति सूर्य जननायक टंट्या मामा और सुप्रसिद्ध गायक किशोर कुमार की धरती है। राज्य सरकार ने टंट्या मामा के नाम पर खरगौन में विश्वविद्यालय स्थापित किया। साथ ही जनजातीय महापुरुषों को सम्मान देने के लिए कार्यक्रमों की रचना भी की है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर मालवा और निमांड़ अंचल की पहचान है। उन्होंने वाराणसी के काशी विश्वनाथ सहित अनेक मंदिरों को भव्यता प्रदान की। बहुत जल्द खंडवा से ओंकारेश्वर और ओंकारेश्वर-इंदौर के बीच नई रेल लाइन की शुरुआत होगी। निमाड़ की कनेक्टिविटी इंदौर और दिल्ली-मुंबई से बढ़ जाएगी। औद्योगिक विकास के साथ निमाड़ अंचल भी समृद्ध होगा। बाबा ममलेश्वर धाम (ओंकारेश्वर) को विकसित करने के लिए 300 करोड़ लागत से विकास कार्य किए जा रहे हैं। यहां एकात्म धाम, स्टैच्यू ऑफ वननेस, संत सिंगाजी धाम के विकास कार्यों के पूर्ण होने पर निमाड़ अंचल धार्मिक पर्यटन का अद्भुत केंद्र बनकर उभरेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषक कल्याण वर्ष में खंडवा जिले के लिए सुक्ता माइक्रो सिंचाई परियोजना, पंधाना में ₹एक जिला-एक उत्पाद₹ योजना में प्याज प्रोसेसिंग यूनिट और पंधाना तालाब नगर परिषद को हस्तांतरण करने की घोषणा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने असम दौरे पर कहा

कांग्रेस आतंकियों को कंधे पर बिठाती है, पुलवामा का किया जिक्र

गुवाहाटी, एजेंसी

असम में इस साल विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं। चुनाव की औपचारिक घोषणा से चंद हफ्ते पहले राज्य को आज विकास परियोजनाओं की सौगात मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम दौरे पर आज राज्यवासियों को संबोधित भी किया। उन्होंने गुवाहाटी में आयोजित जनसभा में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र किया। बढ़ती सियासी सरगर्मियों के बीच चुनावी बिगुल फूंकते हुए पीएम मोदी ने एक तरफ जहां भाजपा के कार्यकाल में हुए फैसलों और विकास परियोजनाओं का उल्लेख किया तो दूसरी तरफ विपक्षी राजनीतिक पार्टी- कांग्रेस को भी आड़े हाथ लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में और किन बातों को रेखांतिक किया, जानिए इस खबर में पीएम मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर आतंकियों को कंधे पर बिठाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस नेता घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं।

भारत ने जिस तरह आतंकियों को सजा दी

पुलवामा आतंकी हमले की सातवीं बरसी का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज ही पुलवामा हमले की बरसी है। मैं इस हमले में जान गंवाने वाले मां भारती के वीर सपूतों को नमन करता हूं। इस आतंकी हमले के बाद भारत ने जिस तरह आतंकियों को सजा दी, वो पूरी दुनिया ने देखा है।

कांग्रेस कभी भारत का भला नहीं कर सकती

पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना के मुंहतोड़ जवाब का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने गुवाहाटी की जनसभा में मौजूद जनता से पूछा, मैं आपसे जानना चाहता हूं कि क्या कभी कांग्रेस में देशहित के लिए इतनी हिम्मत के साथ फैसले करने की ताकत थी क्या? वो ज्यादा से ज्यादा बयान दे सकते हैं।

राहुल का आरोप, ट्रेड डील से कपास किसानों को नुकसान

व्यापार समझौता आगे कुआं, पीछे खाई जैसा

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील से कपास उगाने वाले किसानों और कपड़ा उद्योग पर उल्टा असर पड़ेगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शनिवार को अपने वीडियो पोस्ट में राहुल ने आरोप लगाया कि 18प्रतिशत टैरिफ बनाम 0प्रतिशत समझाता हूं, कैसे झूठ बोलने में माहिर प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इसपर भ्रम फैला रहे हैं, और किस तरह से वो भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को धोखा दे रहे हैं।

महोबा जिले के 40 गाँवों मे इसरो स्थापित करेगा ग्रामीण स्पेश लैब

महोबा, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसन्धान संगठन (इसरो) के स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर, अहमदाबाद द्वारा संचालित 'विलेज वैज्ञानिक कार्यक्रम' के अंतर्गत उत्तर प्रदेश मे महोबा जनपद के 40 गांवों मे ग्रामीण स्पेस लैब स्थापित किये जाएंगे.इस क्रम मे लखनऊ की व्योमिका फाउंडेशन के सहयोग से 16 फरवरी को जिले की रतौली ग्राम पंचायत के एक राजकीय विद्यालय में ÷श्री निलेश एम. देसाई स्पेस लैब÷ का उद्घाटन किया जायेगा।

बीएनपी की जीत के बाद तारिक रहमान का बड़ा संदेश, कहा-

देश के लोगों को अब मिली असली आजादी और अधिकार

एजेंसी| ढाका

बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में बीएनपी को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान ने इसे जनता की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि यह जीत लोकतंत्र के लिए बलिदान देने वाले लोगों को समर्पित है। चुनाव नतीजों के बाद ढाका के एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में तारिक रहमान ने कहा कि आज से देश में आजादी और अधिकारों का असली स्वरूप फिर से बहाल हुआ है। उन्होंने सभी दलों से राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की अपील भी की। तारिक रहमान ने कहा कि यह जीत बीएनपी की नहीं, बल्कि देश की जनता की जीत है।

जबलपुर में शराब-चिकन पार्टी के बाद महिला से गैंगरेप, मर्डर

विरोध करने पर दो दोस्तों ने गला दबा दिया, पकड़ने के डर से एक ने जहर पी लिया

विजय मत, ब्यूरो जबलपुर

जबलपुर में 30 वर्षीय महिला के साथ पहले दो परिचितों ने शराब और चिकन पार्टी की। फिर उसके साथ गैंगरेप किया। जब महिला ने इसका विरोध कर परिजनों को बताने की धमकी दी तो आरोपियों ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। सबूत मिटाने के लिए उसका बैग जला दिया। मामला पनागर थाना क्षेत्र का है। एक महीने पहले हुए मर्डर का खुलासा करते हुए पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एक आरोपी ने पकड़े जाने के डर से कीटनाशक पीकर आत्महत्या की कोशिश की। उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पनागर थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार के मुताबिक, 12 जनवरी की सुबह को सूचना मिली थी कि ग्राम मुड़िया नहर के पास एक महिला का शव पड़ा हुआ है।

दोपहर 4 बजे बाजार गई, रात 8 बजे तक नहीं लौटी

टीआई के मुताबिक, 10 जनवरी की शाम करीब 4 बजे महिला अकेली पनागर बाजार गई थी, रात 8 बजे तक वापस नहीं लौटी तो पति ने गांव में रहने वाले सास, ससुर को जानकारी दी। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारी में पता किया, पर कोई जानकारी नहीं मिली। 12 जनवरी को सुबह पुलिस को पता चला कि महिला का शव मुड़िया नहर के पास मिला है, जिसकी शिनाख्त गायब हुई महिला के रूप में हुई।

कॉमनवेल्थ देशों के जजों की बैठक में सीजेआई बोले

जज अपनी सीमाएं पहचानें, गलतियों से सीखें, दिखावे से ज्यूडिशियल लीडरशिप को नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि न्यायिक नेतृत्व इस कारण कमजोर नहीं होता कि जज परफेक्ट नहीं हैं, बल्कि तब प्रभावित होता है जब जज यह दिखाने लगते हैं कि वे बिल्कुल परफेक्ट हैं। उन्होंने न्यायिक नेतृत्व को देखने के तरीके में बदलाव की जरूरत बताई। साथ ही सुझाव दिया कि राष्ट्रमंडल (कॉमनवेल्थ) देशों में न्यायिक शिक्षा, बार (वकील) और बेंच (जज) को जोड़ने के लिए एक संस्था बनाई जानी चाहिए। शुक्रवार रात दिल्ली में कॉमनवेल्थ ज्यूडिशियल एजुकेटर्स की 11वीं द्विवार्षिक बैठक के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण देते हुए उन्होंने कहा कि जज और न्यायिक संस्थाएं दोनों ही सीखने, सुधार करने और आगे बढ़ने में सक्षम होते हैं। जजों का काम केवल पुराने फैसलों (नजीर) की जानकारी रखना ही नहीं है, बल्कि कानून की ऐसी व्याख्या करना भी है जो आज के समय में न्याय दिला सके। इतिहास में सबसे सम्मानित न्यायिक नेता वे थे, जिन्होंने खुद को पूर्ण नहीं बताया।

वे अपनी सीमाओं को समझते थे, गलती की संभावना को स्वीकार करते थे और सीखने के लिए तैयार रहते थे।

विजय मत एंकर एआई के बढ़ते प्रभाव पर माइक्रोसॉफ्ट की बड़ी चेतावनी, सीईओ सुलेमान बोले-

ज्यादातर वाइट कॉलर जॉब डेढ़ साल में ऑटोमेट हो जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

एआई के बढ़ते प्रभाव और छंटनी के बीच माइक्रोसॉफ्ट (एमएस) एआई के सीईओ मुस्तफा सुलेमान ने बड़ी चेतावनी दी है। उनके मुताबिक, 12-18 महीनों में एआई दफ्तरों की ज्यादातर वाइट कॉलर नौकरियों की जगह ले लेगी। असर सिर्फ सॉफ्टवेयर इंजीनियरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वकील, अकाउंटेंट, प्रोजेक्ट मैनेजर और मार्केटिंग प्रोफेशनल्स भी इसकी जद में आएंगे। सुलेमान ने कहा कि कम्प्यूटर पर किए जाने वाले लगभग सभी काम डेढ़ साल में ऑटोमेटेड हो जाएंगे। 2-3 साल में एआई एजेंट बड़े संस्थानों के कामकाज को बेहतर तरीके से संभालेंगे। ये टूल्स समय के साथ खुद को अपडेट करेंगे और स्वतंत्र फैसले लेंगे। सुलेमान के अनुसार भविष्य में एआई मॉडल बनाना ब्लॉग लिखने जितना आसान होगा। दूसरी तरफ, भारत सरकार इस पर अलग राय रखती है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का दावा है कि एआई नौकरियां नहीं छीनेगा, बल्कि युवाओं के लिए नए मौके पैदा करेगा। वाइट कॉलर जॉब ऑफिस में बैठकर किए जाते हैं।

एआई में आत्मनिर्भर होने जा रही माइक्रोसॉफ्ट

माइक्रोसॉफ्ट अब ओपन एआई पर निर्भरता कम कर खुद के शक्तिशाली फाउंडेशन मॉडल बना रही है। इसके लिए दुनिया की बेहतरीन ट्रेनिंग टीम तैनात की गई है। कंपनी विशाल डेटा सेट को व्यवस्थित करने पर भारी निवेश कर रही है।

इंफ्रास्ट्रक्चर पर 12.7 लाख करोड़ खर्च करेगी कंपनी

माइक्रोसॉफ्ट ने इस वित्त वर्ष में 12.7 लाख करोड़ रुपए के खर्च का अनुमान लगाया है। यह रकम एआई इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में लगेगी। कंपनी इस साल अपना इन-हाउस मॉडल भी लॉन्च कर सकती है।

हेल्थकेयर में लाएगी 'मेडिकल सुपर इंटेलिजेंस

माइक्रोसॉफ्ट अब हेल्थकेयर सेक्टर के लिए 'मेडिकल सुपर इंटेलिजेंस' सिस्टम तैयार कर रही है। यह एआई सिस्टम अस्पतालों में स्टाफ की कमी दूर करेगा और मरीजों के लंबे इंतजार को कम करने में भी मदद करेगा। नई दिल्ली के भारत मंडपम में अगले हफ्ते 16 से 20 फरवरी के बीच 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' का आयोजन होने जा रहा है।

एसी के साथ अब जनरल कोच की भी हर घंटे होगी सफाई, एआई से निगरानी

गंदगी मिलने पर वेंडर पर होगा एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

रेल मंत्री ने रेलवे रिफॉर्म प्लान 2026 के तहत 52 हफ्तों में 52 सुधार लागू करने की घोषणा की है। शनिवार को उन्होंने बताया पहले चरण में ट्रेनों की साफ-सफाई को प्राथमिकता दी जाएगी और इसके लिए सभी कोच में व्यापक सफाई अभियान चलाया जाएगा। रेल मंत्री के मुताबिक, इस योजना की शुरुआती चरण में हर जोन की 4 से 5 ट्रेनों को शामिल किया जाएगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से लंबी दूरी की करीब 80 ट्रेनों के एसी कोचों के साथ साथ जनरल कोचों में भी सफाई व्यवस्था लागू की जाएगी। इस दौरान टॉयलेट, डस्टबिन और कोच की सफाई के साथ किसी भी तकनीकी या मैकेनिकल समस्या की भी जांच की जाएगी। पीक आवर में सफाई व्यवस्था मजबूत करने के लिए अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की जाएगी। साथ ही सफाई की निगरानी के लिए तकनीक का इस्तेमाल होगा। रेल मंत्री ने बताया कि एआई आधारित तस्वीरें कंट्रोल रूम में भेजी जाएंगी।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। कार्यालयः भोपाल ■ शहडोल ■ रायपुर ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ मैहर ■ खरगोन ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़

न्यूज इन शॉर्ट

यातायात प्रभारी ने वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन करने की दी समझाइश

शहडोल। यातायात प्रभारी संजय जायसवाल द्वारा शहडोल नगर के बस स्टैंड समीप वाहन चेकिंग लगाई गई। चेकिंग के दौरान ड्राइविंग लाइसेंस,बीमा सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर यातायात नियमों के पालन करने की समझाइए संबंधित वाहन मालिकों को एवं वाहन चालकों को दी एवं दो पहिया वाहन चालकों को गाड़ी चलाते समय मोबाइल का उपयोग न करने एवं हेलमेट लगाने की भी समझाइए दी। चेकिंग के दौरान सूबेदार श्रीमती प्रियंका शर्मा सहित यातायात पुलिस मौजूद रहे।

विभिन्न योजनाओं की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक 30 जनवरी को

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता की अध्यक्षता में कमिश्नर कार्यालय के अमरकंटक सभागार में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न योजनाओं अन्तर्गत कृषि एवं संबद्ध विभाग यथा उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, बीज निगम, कृषि अभियांत्रिकी विभाग को प्राप्त भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों की पूर्ति की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक 30 जनवरी 2026 को प्रातः 11:30 बजे से आयोजित की जाएगी।

विभिन्न योजनाओं की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आज

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति, सीएम हेल्पलाइन के लंबित शिकायतो के निराकरण की स्थिति, बोर्ड परीक्षाओ की तैयारियों के संबंध में, पीएम आवास योजना स्वच्छ जल आपूर्ति अभियान सहित विभिन्न विभागो द्वारा संचालित योजनाओ की प्रगति की समीक्षा बैठक 29 जनवरी 2026 को प्रातः 11 बजे से आयोजित की जाएगी।

शाउमावि जयसिंहनगर में विधिक जागरूकता शिविर

शहडोल। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री के.एन. सिंह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जयसिंहनगर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित बालिकाओं को बाल विवाह उन्मूलन अधिनियम 2025 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बाल विवाह की रोकथाम एवं लिंग चयनात्मक प्रथाओं के उन्मूलन के संबंध में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान पावसो ऐक्ट, गुड टच एवं बैड टच, बाल संरक्षण एवं बाल संवर्धन से संबंधित विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई तथा ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया। साथ ही यह स्पष्ट किया गया कि झूठी शिकायत किए जाने की स्थिति में बालिका के माता-पिता को 6 माह का कारावास एवं जुर्माने से दंडित किए जाने का प्रावधान है। शिविर में पीएलवी, विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ग्रामीण अंचलों की पीएचसी से प्रसूताओं को लौटाया जा रहा

डॉक्टर विहीन पीएचसी, शहडोल की स्वास्थ्य व्यवस्था खुद 'आईसीयू' में , शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में भी भर्ती व आपात सुविधा नहीं,

विजय मत, शहडोल

जिले की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था गहरी बदहाली से गुजर रही है। जिला मुख्यालय से लेकर दूरस्थ गांवों तक संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों के बिना ही चल रहे हैं। अस्पताल भवन तो मौजूद हैं, लेकिन इलाज की जिम्मेदारी कंपाउंडर और नर्सों पर छोड़ दी गई है। इसका सीधा असर गरीब और ग्रामीण मरीजों पर पड़ रहा है, जिन्हें समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा।

कागजों में डॉक्टर, जमीनी हकीकत अलग

जिले के कई ब्लॉकों की स्थिति बेहद चिंताजनक है। जैतपुर ब्लॉक में 8 पीएचसी, सोहागपुर में 5, जयसिंहनगर में 4, बुढ़ार में 5 और गोहपारू में 3 पीएचसी ऐसे हैं जहां नियमित डॉक्टर तैनात नहीं हैं। कई जगह डॉक्टरों को अटैच तो किया गया है, लेकिन वे महीने में एक या दो बार ही पहुंचते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य केंद्रों का संचालन केवल सहायक स्टाफ के भरोसे हो रहा है।

प्रसूताओं को लौटाने की नौबत

जिला मुख्यालय से महज तीन किलोमीटर दूर ग्राम कुदरी का स्वास्थ्य केंद्र भी बदहाल है। यहां डॉक्टर की अनुपस्थिति आम बात है। सबसे गंभीर स्थिति

प्रसव के लिए आने वाली महिलाओं की है। प्रसूता को सुविधा न होने के कारण वापस भेज दिया जाता है। मजबूरी में परिजन उन्हें निजी साधनों से शहर या दूसरे जिलों में ले जाते हैं, जिससे जोखिम और खर्च दोनों बढ़ जाते हैं।

शहरी स्वास्थ्य केंद्र भी बेअसर

समस्या केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। शहडोल शहर में शहरी क्षेत्र के लिए संचालित स्वास्थ्य केंद्र में भी भर्ती की सुविधा नहीं है। यहां केवल सामान्य मरीजों की जांच होती है। इमरजेंसी सेवाएं पूरी तरह ठप हैं। एक लाख से अधिक आबादी इस केंद्र पर निर्भर है, लेकिन गंभीर मरीजों को तुरंत अन्य अस्पतालों के लिए रेफर कर दिया जाता है।

अनुबंधित डॉक्टरों पर निर्भर व्यवस्था

यहां सेवाएं दे रहे अनुबंधित चिकित्सकों पर भी लापरवाही के आरोप हैं। निर्धारित समय से देर से आना और समय से पहले चले जाना आम शिकायत है। निगरानी और जवाबदेही का अभाव व्यवस्था को और कमजोर बना रहा है। स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवा की यह हालत प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाती है। डॉक्टरों की नियमित तैनाती, इमरजेंसी सेवाओं की बहाली और सख्त निगरानी के बिना हालात सुधरना मुश्किल है। जब जिला मुख्यालय के पास यह स्थिति है, तो दूरस्थ गांवों की दशा का अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। फिलहाल शहडोल में मरीजों को इलाज से ज्यादा संघर्ष नसीब हो रहा है।

दान वीर, ही दीन बंधु बनते हैं

कुटिया धाम में श्री मद भागवत में सुदामा चरित्र की कथा

विजय मत, पाली

कुटिया धाम शिव मंदिर में श्री मद भागवत कथा में आज बहु प्रसिद्ध प्रदीप कृष्ण शास्त्री जी ने सुदामा चरित्र की कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए बतलाया की भगवान का एक नाम दीन बन्धु भी है, जो लोग दान वीर , दया वान, और सहज में ही कृपा बरसाते है ऐसे दयालू प्रभू दीन बन्धु बन जाते हैं, उन्होंने बाल सखा सुदामा पर अकारण कृपा बरसा दिया है, जबकि सुदामा जी ने भगवान से कुछ भी नहीं मांगा था, ऐसे जगत के कल्याण बल्लभ जी ने हर एक की दीनता को जानने वाले भगवान ने अपरोक्ष रूप में सब कुछ दे दिया। जब सुदामा भगवान से मिलने के लिए जा रहे थे, तो उनके पास भेट के लिए कुछ नहीं था, चार घरों से चार मुट्ठी चावल मांग कर

उनकी धर्म पत्नी सुशीला ने फटे हुये कपड़े में चार परत बांधकर दिया था, चूंकि अपने सखा, छोटी बहन, भगवान के दरबार में और राज व्दार जाते समय भेंट लेकर जाना सनातन धर्म से संनिहित है , इसलिए सुशीला ने चार घरों के चार मुट्ठी चावल भेजती है, जो चारों पुरूषार्थ से जुडा हुआ है। जिस पर भगवान ने तीन मुट्ठी चावल खाकर तीन लोक की संपदा सुदामा को प्रदान कर दिया। सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए गुरु जी ने बतलाया की भगवान ने सुदामा का नाम सुनकर भाव विह्वल होकर दौड पडे,उनकी दशा देखकर सब लोग अंचभिंत रह गए, भगवान ने सुदामा को ले जाकर अपने महल में राज सिहांसन पर बैठा कर उनके चरण प्रछालन कर चरणामृत लिया और उसका सींचन कराया गया। भगवान ने कहा आपकी कृपा से ही मुझे बैकुण्ठ का राज मिला है और आपकी कृपा से ही मुझे लक्ष्मी मिली है।अरे व्दार पालो, कन्हैया से कह दो, दर पर तुम्हारे सुदामा खड़ा है, मेरी विनती यही राधा रानी कृपा बरसाये रखना है , आदि भजनों का सजीव संगीत मय गायन कर श्रोताओं के मन मोह कर हर एक को भाव विह्वल बना दिया।वही बिन पीये नशा हो जाता है, जो राधे राधे गाता है, इस पर लोग झूम उठे।

रेंजर पर हमले के तीन आरोपी गिरफ्तार

विजय मत, शहडोल

कोयले के अवैध उत्खनन की सूचना पर कार्रवाई करने पहुंची वन टीम पर हमले के मामले में सोहागपुर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार शाम पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट में इस कार्रवाई का खुलासा किया गया।जानकारी के अनुसार बीते दिनों सोहागपुर क्षेत्र के खेतौली गांव में कोयला उत्खनन एवं परिवहन की सूचना पर वन परिक्षेत्राधिकारी रामनरेश विश्वकर्मा के नेतृत्व में वन अमला मौके पर पहुंचा था। इसी दौरान आरोपियों ने टीम के साथ दुर्व्यवहार करते हुए हमला कर दिया और शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की। घटना के बाद रेंजर रामनरेश विश्वकर्मा की शिकायत पर थाना सोहागपुर में अपराध दर्ज किया गया।पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की। जांच के दौरान आरोपी राजू सिंह उर्फ राकेश सिंह ;50 वर्षद्धए चिन्टू सिंह उर्फ जितेन्द्र सिंह ;34 वर्षद्ध तथा बेटन सिंह उर्फ बृजेश सिंह ;54 वर्षद्धए सभी निवासी ग्राम बड़खेरा थाना सोहागपुर जिला शहडोलए को विधिवत गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय शहडोल में

पेश किया गया है।पुलिस का कहना है कि प्रकरण की जांच जारी है और अवैध उत्खनन से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। शासकीय कार्य में बाधा एवं शासकीय अधिकारी पर हमले पर पुलिस सख्त रुख अपनाए हुए है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सोहागपुर निरीक्षक अरुण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में उप निरीक्षक आनंद कुमार झारियाए सहायक उप निरीक्षक रामनारायण पाण्डेय सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून हाथ में लेने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।वही इस मामले में डीएफओ ने आरोप लगाया था कि पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज करने में काफी समय लगाया।

अनूपपुर जिले में बह रही है विकास की गंगा :राज्यमंत्री

विजय मत, शहडोल

मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा कि जिला अनूपपुर में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जिले को अनेक विकासात्मक सौगातें मिली हैं, जिससे क्षेत्र में निरंतर प्रगति का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

राज्यमंत्री कोतमा में आयोजित पालिका बाजार शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिले में नए उद्योग स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस प्रयास कर रही है। जरूरतमंद मरीजों के लिए एयर एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई है तथा सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों के विस्तार की दिशा में कार्य हो रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में सांदीपनि विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं, जहां विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान की जा रही है।महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में उन्होंने कहा कि लाडली बहना योजना, लाडली लक्ष्मी योजना तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनसे महिलाएं आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त हो रही हैं। आगामी लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किए जाने का भी उल्लेख किया गया।राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। जिले के 125 ग्रामों में लगभग 46 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित करने के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है। किसानों को निःशुल्क सौर पंप उपलब्ध कराने की योजना से हर खेत तक पानी पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

हादसे के बाद जागता सिस्टम, फिर ढर्रे पर लौटी अव्यवस्था

पुलिस आरक्षक की मौत के बाद दिखी सख्ती अब ठंडी, शहर की सड़कें फिर बनीं जोखिम क्षेत्र

विजय मत, शहडोल

शहर में प्रशासनिक सक्रियता का एक जाना-पहचाना पैटर्न एक बार फिर सामने आया है। कोई बड़ा हादसा होता है, तंत्र अचानक सक्रिय हो जाता है, कुछ दिनों तक सख्ती दिखती है और फिर धीरे-धीरे सब कुछ पुराने हालात में लौट जाता है। बीते महीने पुलिस आरक्षक की दर्दनाक मौत के बाद भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला था, जब पूरा प्रशासन हरकत में दिखाई दिया।

हादसे के बाद चला सघन अभियान- आरक्षक की मौत ने पुलिस विभाग के साथ यातायात और परिवहन विभाग को भी झकझोर दिया था। सड़कों पर बेतरतीब खड़े वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों को हटाया गया, कई गाड़ियों को जब्त किया गया और बस स्टैंड क्षेत्र में सख्त निगरानी शुरू की गई। बसों के आने-जाने की टाइमिंग तय कर उन्हें व्यवस्थित खड़ा कराने की व्यवस्था लागू की गई। इस दौरान मुख्य मार्गों पर ट्रैफिक व्यवस्था पहले की तुलना में बेहतर नजर आई। जाम की समस्या में कमी आई और लोगों को कुछ राहत भी महसूस हुई। शहरवासियों को लगा कि शायद अब व्यवस्था स्थायी रूप से सुधरने की दिशा में बढ़ रही है।

कुछ दिन बाद फिर पुराने हालात -लेकिन यह सुधार ज्यादा दिनों तक टिक नहीं सका। जैसे-जैसे हादसे की गूंज कम हुई, वैसे-वैसे सख्ती भी ढीली पड़ती चली गई। अब हालात फिर लगभग पहले जैसे हो चुके हैं। बस स्टैंड से लेकर मॉडल रोड तक सड़क किनारे खड़े वाहनों की लंबी कतारें रोज का दृश्य बन गई हैं। पेट्रोल टंकी के सामने का इलाका हो या बाणगंगा रोड, हर जगह वाहनों का जमावड़ा देखा जा सकता है। कई वाहन ऐसे हैं जो लंबे समय से एक ही स्थान पर खड़े हैं। इन पर जमी धूल साफ बताती है कि इनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

सड़क की चौड़ाई घटी, खतरा बढ़ा - अवैध पार्किंग की वजह से सड़कों की उपयोगी चौड़ाई कम हो गई है। इससे दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। शाम के समय और भीड़भाड़ के घंटों में स्थिति और ज्यादा जोखिमपूर्ण हो जाती है, जब एक साथ बसें, ऑटो, कार और बाइक एक ही संकरे हिस्से से गुजरने को मजबूर होते हैं।

अव्यवस्था डस्टबिन नदारद, जाम नालियां और सड़ता कचरा बना संक्रमण का खतरा

दावों में स्वच्छता, हकीकत में गंदगी का अंबार, मेडिकल कॉलेज बदहाल

विजय मत, शहडोल

मेडिकल कॉलेज प्रबंधन भले ही स्वच्छता को लेकर ऊंचे दावे करता हो, लेकिन जमीनी सच्चाई इन दावों की हवा निकालती नजर आ रही है। मेडिकल कॉलेज परिसर में प्रवेश करते ही अव्यवस्था और गंदगी की तस्वीर सामने आ जाती है। इलाज की उम्मीद लेकर आने वाले मरीज और उनके परिजन यहां साफ-सफाई के अभाव में असहज माहौल झेलने को मजबूर हैं।

डस्टबिन की कमी, मजबूरी में खुले में कचरा

मेडिकल कॉलेज के ओपीडी, दवा वितरण केंद्र, वार्डों के वेटिंग हॉल और गलियारों जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में कचरा फेंकने के लिए डस्टबिन पर्याप्त संख्या में मौजूद नहीं हैं। कई स्थानों पर तो एक भी डस्टबिन नजर नहीं आता। ऐसे में मरीजों और परिजनों के पास कचरा खुले में फेंकने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। परिणामस्वरूप खाने-पीने के पैकेट, पानी की बोतलें और कागज पूरे परिसर में बिखरे पड़े दिखाई देते हैं।

नियमित सफाई नहीं, घंटों सड़ता रहता कचरा

भर्ती मरीजों के परिजनों का कहना है कि वे सफाई रखना चाहते हैं, लेकिन व्यवस्था ही नहीं है। लोगों का आरोप है कि सफाईकर्मी भी नियमित रूप से कचरा नहीं उठाते। कई जगह कूड़ा घंटों तक एक ही स्थान पर पड़ा सड़ता रहता है। इससे उठने वाली दुर्गंध वातावरण को दूषित कर रही है और संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ा रही है।

किचन एरिया में सबसे खराब हालात

ओपीडी के ठीक पीछे स्थित किचन क्षेत्र की स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक बताई जा रही है। यहां की नालियां कचरे से चोक होकर बजबजा रही हैं। गंदा पानी खुले में जमा है और आसपास बदबू फैली रहती है। किचन के आसपास उगी लैंटाना और बेतरतीब झाड़ियां मच्छरों और जहरीले कीड़ों का ठिकाना बन चुकी हैं।

भोजन की स्वच्छता पर उठते सवाल

ऐसे अस्वच्छ माहौल में तैयार हो रहा भोजन मरीजों की सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। खुले में भिनभिनाते मच्छर, नालियों की गंदगी और आसपास फैला कचरा भोजन को दूषित करने का खतरा बढ़ा रहे हैं। अस्पताल जैसा संवेदनशील स्थान, जहां मरीज संक्रमण से लड़ने आते हैं, वहीं संक्रमण की आशंका से घिरा नजर आ रहा है।

कागजों में अभियान, जमीन पर लापरवाही

प्रबंधन की ओर से कागजों में स्वच्छता अभियान चलने के दावे किए जाते हैं, लेकिन अस्पताल परिसर की वास्तविक स्थिति इन दावों से बिल्कुल उलट दिखाई देती है। जगह-जगह बिखरा कचरा, जाम नालियां, दुर्गंध और डस्टबिन की कमी स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। अस्पताल का वातावरण मरीजों और उनके परिजनों के लिए परेशानी और जोखिम दोनों बढ़ाता दिख रहा है।

ग्रामीण एवं नगरीय निकायों में गठित दल घर-घर संपर्क कर प्राप्त करें जनसमस्याएं

जिले में संकल्प से समाधान अभियान के तहत प्राप्त हुए 9063 आवेदन, 3804 आवेदनों का किया गया निराकरण

विजय मत, शहडोल

पात्र हितग्राहियों को भारत सरकार एवं राज्य शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं एवं उन योजनाओं में जिनके लक्ष्य निर्धारित हैं, लक्ष्य अनुरूप लाभ एवं शासन द्वारा प्रदाय की जा रही सेवाओं का लाभ प्रदान करने के लिए प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु शासन द्वारा संकल्प से समाधान अभियान संचालित किया गया है। अभियान का प्रथम चरण में 12 जनवरी से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में दल गठित कर जन सामान्य से आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं।

सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति ने बताया कि संकल्प से समाधान अभियान के तहत अभी तक जिले में 9063 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जनपद पंचायत ब्यौहारी में 619 आवेदन, जयसिंहनगर जनपद में 1796 आवेदन, गोहपारू जनपद पंचायत में 896 आवेदन, बुढ़ार जनपद पंचायत में 597 आवेदन, सोहागपुर जनपद पंचायत में 1717 आवेदन, ब्यौहारी नगर परिषद में 309 आवेदन, धनपुरी नगरपालिका में 1184 आवेदन, खांड़ नगर परिषद में 111 आवेदन तथा बकहो नगर परिषद में 257 आवेदन, बुढ़ार नगर परिषद में 95 आवेदन, शहडोल नगर पालिका में 1429, जयसिंहनगर नगर परिषद में 48 आवेदन प्राप्त हुए हैं। आपने अभियान के संचालन हेतु गठित दलों का भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित कर प्रभावी रूप से घर-घर संपर्क कर आवेदन प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं तथा संबंधित निकायों के अधिकारियों को दैनिक रूप से मानीटरिंग करने को कहा।

प्राप्त आवेदनों में से जनपद पंचायत जयसिंहनगर में 57, जनपद पंचायत सोहागपुर में 50, आवेदनों का, जनपद पंचायत गोहपारू में 192 आवेदन, जनपद पंचायत ब्यौहारी में 255, जनपद पंचायत बुढ़ार में 09 आवेदनो का तथा नगरपालिका शहडोल में 1412 आवेदन, धनपुरी नगरपालिका में 1184 आवेदन तथा नगर परिषद ब्यौहारी में 303, बकहो नगर परिषद में 214, नगर परिषद जयसिंहनगर में 16, नगर परिषद बुढ़ार में 95, आवेदनो का निराकरण किया जा चुका है।

न्यूज इन शॉर्ट

एम्स भोपाल के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर द्वारा पेपर माचे कार्यशाला आयोजित

भोपाल। एम्स भोपाल अपने हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रमों के माध्यम से संस्थान से जुड़े लोगों के समग्र स्वास्थ्य और सृजनात्मक विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। इसी क्रम में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर द्वारा संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों के लिए पेपर माचे कला(इसमे पुराने अखबारों, गोंद और पानी के मिश्रण का उपयोग करके मूर्तियां, मुखौटे, और सजावटी वस्तुएं बनाई जाती हैं) कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला 16 से 18 फरवरी 2026 तक आयोजित होगी। इस पहल का उद्देश्य प्रतिभागियों को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना, नई कलात्मक तकनीक सिखाना तथा उन्हें तनावमुक्त और सकारात्मक अनुभव प्रदान करना है। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को पेपर माचे कला की बारीकियों से परिचित कराया जाएगा और उन्हें अपनी सृजनात्मकता को अभिव्यक्त करने का अवसर मिलेगा। संस्थान के इच्छुक प्रतिभागियों से अपील की गई है कि वे इसमें शामिल होकर इस रचनात्मक और आनंददायक अनुभव का लाभ उठाएं।

राजधानी समेत पूरे प्रदेश में अब खुले रहेंगे 24 घंटे माल

भोपाल। राजधानी समेत पूरे प्रदेश में 24 घंटे मॉल, रेस्टारेंट, आईटी सेक्टर, प्रमुख बाजार, बिजनेस सेंटर खुले रहेंगे। इसे नाइट कल्चर कहा जाता है, जिसे लेकर श्रम विभाग ने प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया है। ये प्रस्ताव विधानसभा के बजट सत्र में मंजूरी के लिए आ सकता है। कैट के एमपी अध्यक्ष भूपेंद्र जैन ने बताया कि अगर इस प्रस्ताव को अगर मंजूरी मिल जाती है, तो मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था अब 24 घंटे दौडऩे लगेगी। साथ ही लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। पता चला है कि पहले दौर की चर्चा में सैद्धांतिक सहमति भी बन गई है। कैट इसका स्वागत करता है। इस प्रस्ताव के फैसले के बाद महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और तेलंगाना के बाद मध्यप्रदेश सातवां राज्य बन जाएगा।

राजधानी में मनाया गया भगवान मुनिसुव्रत नाथ का मोक्ष कल्याणक

भोपाल। राजधानी के विभिन्न जैन मंदिरों में शनिवार को 20वें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रत नाथ का मोक्ष कल्याणक श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की आवाजाही शुरू हो गई थी। विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक, शांति धारा और निर्वाण लाडू अर्पण जैसे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि गोदरमऊ एयरपोर्ट रोड स्थित जिनालय में भगवान की विशाल प्रतिमा का विधि-विधान से अभिषेक किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने निर्वाण लाडू अर्पित कर मोक्ष कल्याणक की मंगलकामनाएं कीं। सिद्धार्थ लेक सिटी स्थित मंदिर में स्वर्ण कलश से अभिषेक कर धर्मसभा आयोजित की गई। वहीं नेहरू नगर के मंदिर में रमयी प्रतिमा पर जगत शांति की कामना के साथ शांति धारा की गई। श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों और स्तवन के माध्यम से तीर्थंकर के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। नंदीश्वर जिनालय चौक मंगलवारा, कस्तूरबा नगर, टीटी नगर सहित शहर के अन्य जैन मंदिरों में भी विशेष अनुष्ठान आयोजित किए गए। मंदिर परिसर भक्ति संगीत और जयकारों से गुंजायमान रहे। धर्माचार्यों ने प्रवचनों में कहा कि तीर्थंकरों का जीवन त्याग, तप और आत्मसंयम की प्रेरणा देता है। मोक्ष कल्याणक आत्मशुद्धि और अहिंसा के मार्ग पर चलने का संदेश देता है। श्रद्धालुओं ने दिनभर व्रत-उपवास रखकर आध्यात्मिक साधना की।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर दी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ और बधाई

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ और बधाई दी है। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि भगवान शिव की आराधना, आस्था, तप और आत्मशुद्धि का पर्व है। यह दिन हमें सत्य, संयम, करुणा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कामना की कि भगवान भोलेनाथ की कृपा से प्रदेश में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे। उप मुख्यमंत्री ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस पावन अवसर पर सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें तथा जरूरतमंदों की सहायता कर पर्व की सार्थकता बढ़ाएँ।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा की सौजन्य भेंट

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने शनिवार को लोकभवन में सौजन्य भेंट की। राज्यपाल पटेल के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल पटेल का प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. मिश्रा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

मप्र के बजट से कर्मचारियों को बड़ी उम्मीदें...दैनिक वेतनभोगियों को नियमित करने की मांग

डीए, वेतनमान और कैशलेस इलाज पर टिकी निगाहें

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार 18 फरवरी को विधानसभा में अपना पहला पेपरलेस बजट पेश करेगी। जानकारी के अनुसार इस वर्ष का बजट आकार में पिछले साल से बड़ा हो सकता है। बजट से पहले कर्मचारी संगठनों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार से स्पष्ट प्रावधान करने की मांग की है। मध्य प्रदेश राज्य अधिकारी कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि केंद्र सरकार के बराबर 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता राज्य कर्मचारियों को दिया जाना चाहिए। यह राशि लंबे समय से लंबित है और बजट में इसका प्रावधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ अब तक नहीं मिला है, जबकि इसकी चर्चा पहले भी हो चुकी है। उन्होंने मांग की है कि दैनिक वेतनभोगियों को नियमित किया जाए और अंशकालिक कर्मचारियों को कलेक्टर दर से वेतन दिया जाए। अशोक पांडे ने यह भी कहा कि केंद्र में आठवें वेतन आयोग के गठन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और समिति भी बन चुकी है। राज्य सरकार ने भी समिति बनाने की बात कही थी, लेकिन अब तक उस पर कार्रवाई नहीं हुई। कर्मचारियों की मांग है कि बजट में आठवें वेतन आयोग से संबंधित स्पष्ट प्रावधान किया जाए। उन्होंने दो प्रकार के कर लगाए जाने पर भी आपत्ति जताई। उनका कहना है कि एक कर राज्य स्तर पर और दूसरा केंद्र स्तर पर लिया जा रहा है, जबकि कर व्यवस्था

सरल होनी चाहिए। इसके अलावा कर्मचारियों के लिए घोषित कैशलेस चिकित्सा सुविधा अभी तक लागू नहीं हुई है। बजट में इसके लिए धनराशि निर्धारित कर इसे लागू किया जाए।

कई घोषणाएं अधूरी

उन्होंने यह भी मांग की कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों से व्यवसायिक कर नहीं लिया जाना चाहिए। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि पिछले बजट में कई घोषणाएं की गई थीं, लेकिन वे अभी तक लागू नहीं हो सकी हैं। ऐसे में 18 फरवरी को पेश होने वाला पेपरलेस बजट कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब निगाह इस बात पर है कि सरकार लंबित मांगों पर ठोस निर्णय लेती है या नहीं।

मंत्रालय कर्मचारियों को चौथा समयमान वेतन की उम्मीद

मंत्रालय अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने कहा कि मंत्रालय कर्मचारियों को अब तक चौथा समयमान नहीं मिला है, जबकि अन्य विभागों में यह लाभ दिया जा चुका है। उन्होंने 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने की मांग दोहराई। सुधीर नायक ने कहा कि अनाज अग्रिम और त्योहार अग्रिम की राशि पिछले 10 वर्षों से 4 हजार रुपए ही है, जबकि महंगाई काफी बढ़ चुकी है। इसे बढ़ाकर कम से कम 10 हजार रुपए किया जाए।

वेतन विसंगति दूर करने मिले विशेष पैकेज

समस्त स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह कौरव ने कहा कि आगामी बजट में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए विशेष पैकेज का प्रावधान किया जाना चाहिए, ताकि उनकी वेतन विसंगतियां दूर हो सकें। उन्होंने कहा कि संविदा कर्मचारी नियमित कर्मचारियों के समान कार्य कर रहे हैं, लेकिन वेतन और सुविधाओं में अंतर बना हुआ है, जिसे समाप्त करना आवश्यक है। कौरव ने मांग की कि चिकित्सकों की तरह नर्सिंग ऑफिसरों को भी रात्रिकालीन ड्यूटी के लिए भत्ता दिया जाए और इसके लिए बजट में अलग से प्रावधान किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि स्वशासी मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत नर्सिंग ऑफिसरों को तीसरी और चौथी वेतन वृद्धि का लाभ दिया जाना चाहिए, ताकि वेतन संबंधी असमानता समाप्त हो सके।

डीएफओ विपिन पटेल ने इस्तीफा वापस लिया

विजय मत, भोपाल

जबलपुर में डीएफओ योजना के पद पर पदस्थ एमपी कैडर के 2013 बैच के आईएफएस अधिकारी विपिन पटेल ने आखिरकार अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। उनके इस्तीफा देने के बाद धर्मपत्नी ने पीसीसीएफ एंड हॉफ को आवेदन देकर इस्तीफा न मंजूर करने का आग्रह किया था और कहा था कि पति विपिन पटेल की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उन्होंने इस्तीफा दिया है। विपिन पटेल की पत्नी के आवेदन के बाद पीसीसीएफ एंड हॉफ ने विपिन पटेल से तीन दिन में स्पष्टीकरण मांगा था जिसके बाद पटेल ने इस्तीफा वापस लेने की बात कही है। रीवा, दमोह, सतना और अनूपपुर के डीएफओ रह चुके पटेल ने इस्तीफा देने की वजह निजी कारण बताया था। 4 फरवरी को पीसीसीएफ और हॉफ को भेजे इस्तीफे में विपिन पटेल ने कहा था कि वे अपनी आईएफएस सर्विस से अनकंडीशनल इस्तीफा दे रहे हैं, जिसकी वजह निजी है।

इस्तीफा वापसी का पत्र वन विभाग को दिया

भारतीय वन सेवा के अधिकारी विपिन कुमार पटेल का इस्तीफा वापसी से संबंधित पत्र वन विभाग को मिल गया है। पत्र में पटेल ने लिखा है कि जल्दबाजी में उन्होंने यह कदम उठा लिया था और उनकी मानसिक स्थिति उस समय ठीक नहीं थी। वर्तमान में पटेल डीएफओ वर्किंग प्लान जबलपुर में पदस्थ हैं। वन विभाग ने प%ी के पत्र के आधार पर पटेल से ई-मेल के जरिए स्पष्टीकरण मांगा था और कहा था कि वे तीन दिन के भीतर स्थिति स्पष्ट करें अन्यथा उनके त्यागपत्र पर एकपक्षीय निर्णय लेकर उसे स्वीकार कर लिया जाएगा।

सागर में लोकायुक्त में शिकायत, सतना, अनूपपुर में विवादित रहे

आईएफएस अधिकारी विपिन पटेल सतना, अनूपपुर में विवादित रहे थे। उनके विरुद्ध सागर लोकायुक्त पुलिस में भी शिकायत की गई थी। पटेल ने अनूपपुर डीएफओ रहने के दौरान एक विवादित आदेश जारी किया था। जिसका प्रदेश भर में विरोध हुआ था।

प्रेमिका को अपना पति सौंपकर पत्नी ने वसूले डेढ़ करोड़ रुपये

अजब प्रेम की गजब कहानी, प्रेमी से करीब दस साल बडी है प्रेमिका

विजय मत, भोपाल

राजधानी में एक पत्नी ने डेढ करोड रुपए वसूल कर अपने पति को उसकी प्रेमिका के हवाले कर दिया। पति-पत्नी के दो बच्चे भी है। प्रेमी और प्रेमिका दोनों ही सरकारी कार्यालय में अधिकारी है। बताया जा रहा है कि प्रेमी और प्रेमिका दोनों के बीच तकरीबन दस साल की उम्र का अंतर है। इस बारे में प्रेमी अधिकारी की पत्नी का कहना है कि मैं दोनों बच्चों और मेरे भविष्य को देखते हुए पति को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थी। पति ने कहा कि वह अब पत्नी के साथ नहीं रह सकता तो पत्नी ने अदालत में एक डुप्लेक्स और राशि की मांग की। एक डुप्लेक्स और 27 लाख कुल डेढ़ करोड़ में सौदा हो गया। अधिकारी की प्रेमिका ने डेढ़ करोड़ की राशि अपने प्रेमी की पत्नी को चुकाकर तलाक का केस अदालत से फाइनल कराया। जानकारी के अनुसार 42 वर्षीय अधिकारी केंद्र सरकार में अपर आयुक्त के पद पर पदस्थ हैं। वे यहां पत्नी और 16 व 12 साल की बेटियों के साथ रहते हैं। उनके कार्यालय में पदस्थ 53 वर्षीय महिला अधिकारी से प्रेम हो गया। इसके बाद दोनों एक-दूसरे के निवास पर आने-जाने लगे। कई बार तो वहीं

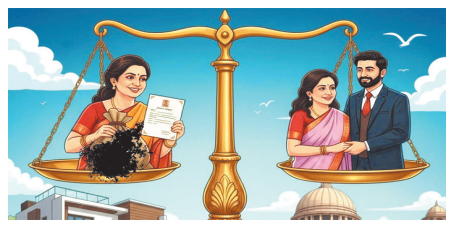

रात्रि विश्राम भी करने लगे। दोनों साथ में बाहर घूमने भी जाने लगे। इसके बाद पुरुष अधिकारी की पत्नी को पति के प्रेम-प्रसंग के संबंध में जानकारी लगी तो दंपति में झगड़ा होने लगा। झगड़ा इतना बढ़ गया कि आए दिन के विवाद से अधिकारी की दोनों बेटियां परेशान हो गईं। बेटियों ने कुटुंब न्यायालय में काउंसलिंग के लिए आवेदन लगा दिया। जब दंपति की काउंसलिंग शुरू हुई तो दोनों के विचार और शर्तें इतनी अलग-अलग थीं कि दोनों एक-दूसरे की शर्तों को मानने के लिए तैयार नहीं हो रहे थे। कई दौर की काउंसलिंग के बाद जब मामला नहीं सुलझा तो फिर एक मौका दोनों को दिया गया। इसके बाद पुरुष अधिकारी ने कहा कि मैं अपनी पत्नी के साथ रहना ही नहीं चाहता।

भोपाल-खजुराहो और रानी कमलापति-आधारताल एक्स. में लगेंगे एलएचबी कोच

विजय मत, भोपाल

रेलवे प्रशासन ने यात्री सुविधाओं के मददेनजर एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। यात्रियों के सफर को आरामदायक बनाने के लिए अब कुछ ट्रेनों में एलएचबी कोच लगाने का निर्णय लिया है। पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल ने यात्रियों को बेहतर और सुरक्षित सफर देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। गाड़ी संख्या 22163/22164 भोपाल-खजुराहो-भोपाल महामना एक्सप्रेस और 22187/22188 रानी कमलापति-आधारताल-रानी कमलापति एक्सप्रेस के पारंपरिक आईसीएफ कोच अब हटाए जा रहे हैं। इन ट्रेनों को आधुनिक एलएचबी कोचों से संचालित किया जाएगा। भोपाल-खजुराहो महामना एक्सप्रेस 15 फरवरी 2026 से दोनों दिशाओं में एलएचबी रैक के साथ चलेगी, जबकि रानी कमलापति-आधारताल एक्सप्रेस 16 फरवरी 2026 से नए कोचों के साथ पटरी पर उतरेगी। दोनों ट्रेनों में कुल 21 कोच लगाए जाएंगे। इनमें 2 एसी चेयरकार, 2 थर्ड एसी, 9 द्वितीय श्रेणी, 6 सामान्य श्रेणी, 1 एसएलआरडी और 1 जनरेटर कार शामिल होंगी। पश्चिम मध्य रेलवे का यह निर्णय क्षेत्र के यात्रियों के लिए सुविधाजनक और सुरक्षित सफर की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। एलएचबी कोच आधुनिक तकनीक से लैस होते हैं।

वन्य जीव और वनों के लिए बनेगा लीगल सेल

विजय मत, भोपाल

पीसीसीएफ विजय अंबाडे ने न्यायालयीन मामलों में समय पर पैरवी नहीं होने से विभाग और सरकार को होने वाली नुकसान को गंभीरता से लिया है। कोर्ट पहुंचने वाले मामलों में विभाग की जीत और अदालती मामलों को सुव्यवस्थित करने तथा कानूनी जवाबदेही तय करने के लिए पीसीसीएफ अंबाड़े ने वन भवन मुख्यालय में लीगल सेल (कानूनी प्रकोष्ठ) की स्थापना की है। यह प्रकोष्ठ 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व से वजूद में आ जाएगा। इसको लेकर पीसीसीएफ एंड हॉफ की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि वन्यजीवों को न्याय दिलाने के लिए यह सेल विभाग के कानूनी पक्ष को मजबूत करके वन शत्रुओं, विशेष रूप से बाघों के शिकारियों को सख्त से सख्त सजा (दोषसिद्धि) के लिए काम करेगा।

मप्र में 16 फरवरी से फिर बदलेगा मौसम का मिजाज

मौसम एक बार फिर करवट लेने को तैयार

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में आगामी 16 फरवरी के बाद प्रदेश में बादलों की आवाजाही बढ़ने के संकेत हैं। प्रदेश से सर्दी की विदाई और गर्मी की आहट के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने को तैयार है। इस तरह मौसम में परिवर्तन की वजह पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय होना बताया जा रहा है। फिलहाल हालात ऐसे हैं कि दिन में गर्मी चुभने लगी है, जबकि रात के समय हल्की ठंड अब भी बनी हुई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान पश्चिमी विक्षोभ के असर से कुछ हिस्सों में हल्के बादल नजर आ रहे हैं। 16 फरवरी से एक नया सिस्टम पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में सक्रिय होगा, जिसका प्रभाव मध्य प्रदेश तक पहुंचेगा। इससे

आसमान में बादल बढ़ सकते हैं और न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी जारी है। सिस्टम के आगे बढ़ने और बर्फ पिघलने के बाद प्रदेश में हल्की ठंड का एक और छोटा दौर देखने को मिल सकता है।

शिक्षकों को पंडाल व्यवस्था में लगाने का आदेश तुगलकी

बच्चों की परीक्षायें हैं और शिक्षक करायेंगे सभा, आदेश देने वाले अधिकारी दंडित हों

विजय मत, भोपाल

बुरहानपुर जिले में प्रस्तावित मुख्यमंत्री दौरे के दौरान बड़ी संख्या में शिक्षकों, प्राचार्यों तथा स्कूल कर्मचारियों को नेहरू स्टेडियम में 'भीड़ प्रबंधन और बैठक व्यवस्था' की ड्यूटी देने संबंधी आदेश बेहद चिंताजनक और निंदनीय है। प्रदेश कांग्रेस विचार विभाग अध्यक्ष भूपेन्द्र गुप्ता ने इस तुगलकी आदेश तत्काल वापिस लेने की मांग करते हुए कहा कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र से जुड़े लगभग 1200 से अधिक कर्मचारियों को एक साथ स्कूलों और छात्रावासों से हटाना बच्चों की पढ़ाई, सुरक्षा और अनुशासन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।बच्चों की परीक्षा निर्बाध करने की जिनकी जिम्मेवारी है उन्हें पंडाल व्यवस्था में लगाने वाले अधिकारियों पर तत्काल कार्यवाही हो,अन्यथा कांग्रेस सड़क पर उतरेगी। शिक्षक समाज का

मूल दायित्व विद्यार्थियों का भविष्य निर्माण है। यदि स्कूलों के प्राचार्य, शिक्षक, अतिथि शिक्षक, हॉस्टल अधीक्षक, रसोइये और अन्य कर्मचारी प्रशासनिक या कार्यक्रम संबंधी कार्यों में लगाए जाते हैं, तो स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठता है कि उस दिन स्कूलों का संचालन कैसे होगा और छात्रावासों में रह रहे बच्चों की देखभाल कौन करेगा। शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने वाले ऐसे निर्णयों पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही आवश्यक है। हम प्रशासन को आगाह करते हैं कि किसी भी राजनैतिक या सरकारी कार्यक्रम की व्यवस्थाएं शिक्षा व्यवस्था को बाधित किए बिना की जाएं। यदि अतिरिक्त मानव संसाधन की आवश्यकता है तो वैकल्पिक व्यवस्थाएं बनाई जाएं, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई और सुरक्षा से कोई समझौता न हो। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार और प्रशासन से अपेक्षा रहती है कि वे शिक्षकों की भूमिका का सम्मान करें और उन्हें उनके मूल कर्तव्यों से दूर न करें। मुख्यमंत्री से गुप्ता ने अपेक्षा की है कि वे इस विषय की गंभीरता को समझते हुए आदेश की समीक्षा करेंगे और शिक्षा हित में आवश्यक संशोधन करेंगे।

एम्स के चिकित्सकों का बड़ा शोध, बीड़ी-सिगरेट से सुनने की शक्ति पर असर, नहीं दिखते कोई लक्षण

विजय मत, भोपाल

भोपाल एम्स में किए गए अध्ययन में सामने आया है कि बीड़ी और सिगरेट का धुआं सुनने की शक्ति और मुंह की सेहत पर भी बुरा असर डाल रहा है। शोध में पाया गया कि धूम्रपान करने वाले हर दस में से चार लोगों में सुनने की कमजोरी देखी गई।

धुआं कैसे करता है नुकसान?: विशेषज्ञों के अनुसार, सिगरेट और बीड़ी में मौजूद निकोटिन जैसे हानिकारक तत्व कान के भीतर रक्त प्रवाह को घटा देते हैं। इससे अंदरूनी हिस्सों तक पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषण नहीं पहुंच पाता, जिससे सुनने की शक्ति धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है। यह प्रक्रिया शुरू में बिना स्पष्ट लक्षण के होती है।

सौ लोगों पर दो माह तक अध्ययन: अध्ययन में कुल 100 वयस्कों को शामिल किया गया। इनमें 50 धूम्रपान करने वाले और 50 धूम्रपान न करने वाले थे। सभी की आयु 18 से 55 वर्ष के बीच रखी गई, ताकि बढ़ती उम्र से जुड़ी अन्य बीमारियों का प्रभाव परिणामों पर न पड़े। सभी प्रतिभागियों का स्वास्थ्य विवरण दर्ज किया गया। इसके बाद सुनने की क्षमता की जांच तथा लार के स्राव की मात्रा का परीक्षण किया गया।

मुंह की सेहत पर भी असर

अध्ययन में यह भी सामने आया कि धूम्रपान करने वालों में लार का स्राव कम हो जाता है। लार मुंह की प्राकृतिक रक्षा करती है। इसकी कमी से दांतों में सड़न, मसूड़ों की सूजन और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय तक धूम्रपान करने से यह नुकसान स्थायी रूप ले सकता है। रिसर्च के प्रमुख शोधकर्ताओं में खुशी मेघानी, डॉ. शैला सिडाम (कॉरेस्पॉन्डिंग ऑथर), डॉ. आशीष पाखरे, अनन्यान संपत, डॉ. अंजन के. साहू और डॉ. अपर्णा जी. चव्हाण में शामिल रहे।

विजय मत एंकर केंद्र के समान 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने जैसी कई मांगे शामिल

कर्मचारी संघों ने की बजट में स्पष्ट प्रावधान करने की मांग

विजय मत, भोपाल

बजट से पहले राज्य के कर्मचारी संगठनों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार से स्पष्ट प्रावधान करने की मांग की है। मप्र राज्य अधिकारी कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि केंद्र सरकार के बराबर 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता राज्य कर्मचारियों को दिया जाना चाहिए। यह राशि लंबे समय से लंबित है और बजट में इसका प्रावधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ अब तक नहीं मिला है, जबकि इसकी चर्चा पहले भी हो चुकी है। उन्होंने मांग की है कि दैनिक वेतनभोगियों को नियमित किया जाए और अंशकालिक कर्मचारियों को कलेक्टर दर से वेतन दिया जाए। अशोक पांडे ने यह भी कहा कि केंद्र में आठवें वेतन आयोग के गठन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और समिति भी बन चुकी है। राज्य सरकार ने भी समिति बनाने की बात कही थी, लेकिन अब तक उस पर कार्रवाई नहीं हुई। कर्मचारियों की मांग है कि बजट में आठवें वेतन आयोग से संबंधित स्पष्ट प्रावधान किया जाए। उन्होंने दो प्रकार के कर लगाए जाने पर भी आपत्ति जताई। उनका कहना है कि एक कर राज्य स्तर पर और दूसरा

केंद्र स्तर पर लिया जा रहा है, जबकि कर व्यवस्था सरल होनी चाहिए। इसके अलावा कर्मचारियों के लिए घोषित कैशलेस चिकित्सा सुविधा अभी तक लागू नहीं हुई है। बजट में इसके लिए धनराशि निर्धारित कर इसे लागू किया जाए। मंत्रालय अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने कहा कि मंत्रालय कर्मचारियों को अब तक चौथा समयमान नहीं मिला है, जबकि अन्य विभागों में यह लाभ दिया जा चुका है। उन्होंने 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने की मांग दोहराई। सुधीर नायक ने कहा कि अनाज अग्रिम और त्योहार अग्रिम की राशि पिछले 10 वर्षों से 4 हजार रुपए ही है, जबकि महंगाई काफी बढ़ चुकी है।

पिछले बजट में कई घोषणाएं की गई थीं, लेकिन वे अभी तक लागू नहीं हो सकी हैं: कर्मचारी संगठन

कर्मचारी संगठनों का कहना है कि पिछले बजट में कई घोषणाएं की गई थीं, लेकिन वे अभी तक लागू नहीं हो सकी हैं। ऐसे में 18 फरवरी को पेश होने वाला पेपरलेस बजट कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब निगाह इस बात पर है कि सरकार लंबित मांगों पर ठोस निर्णय लेती है या नहीं। समस्त स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह कौरव ने कहा कि आगामी बजट में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए विशेष पैकेज का प्रावधान किया जाना चाहिए, ताकि उनकी वेतन विसंगतियां दूर हो सकें। उन्होंने कहा कि संविदा कर्मचारी नियमित कर्मचारियों के समान कार्य कर रहे हैं, लेकिन वेतन और सुविधाओं में अंतर बना हुआ है, जिसे समाप्त करना आवश्यक है। कौरव ने मांग की कि चिकित्सकों की तरह नर्सिंग ऑफिसरों को भी रात्रिकालीन ड्यूटी के लिए भत्ता दिया जाए और इसके लिए बजट में अलग से प्रावधान किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि स्वशासी मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत नर्सिंग ऑफिसरों को तीसरी और चौथी वेतन वृद्धि का लाभ दिया जाना चाहिए, ताकि वेतन संबंधी असमानता समाप्त हो सके। बता दें कि मध्य प्रदेश सरकार 18 फरवरी को विधानसभा में अपना पहला पेपरलेस बजट पेश करेगी।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

प्रकृति रक्षा के लिए कड़े कानूनी बदलावों की जरूरत

औद्योगिक घराने पर्यावरण का नुकसान करके भारी मुनाफा कमाते हैं और कानून उल्लंघन पर जुर्माने की मामूली राशि चुका देते हैं। इस व्यवस्था ने पैसे को संरक्षण के बजाय विनाश का 'लाइसेंस' बना दिया है। ईकोसाइड अवधारणा इस दायित्व को 'कठोर आपराधिक उत्तरदायित्व' में बदलने की वकालत करती है।

मानवता ने अपनी प्रगति की गाथा अक्सर प्रकृति की कीमत पर लिखी है। औद्योगिक क्रांति से लेकर आधुनिक डिजिटल युग तक, हमने विकास की अंधी दौड़ में कंक्रीट के ढेर तो खड़े कर लिए, लेकिन इसकी वजह से नदियों को विषाक्त नालों और हरे-भरे जंगलों को रेगिस्तान में तब्दील कर दिया। आज जब हिमालय की नींव धंस रही है और हवा सांसों में जहर घोल रही है, तब एक तीखा सवाल सामने है - क्या अपराध इंसानों के खिलाफ ही 'संगीन' होते हैं?इसी सवाल से एक क्रांतिकारी शब्द ने जन्म लिया - 'ईकोसाइड' यानी 'प्रकृति का नरसंहार'। जिस प्रकार विश्व ने 'जेनोसाइड' को मानवता के विरुद्ध वीभत्स अपराध मानकर दंडित किया, अब प्रकृति के विरुद्ध किए जा रहे इस व्यवस्थित विनाश को भी उसी अंतरराष्ट्रीय कानूनी श्रेणी में रखा जाए। अब न्याय केवल इंसानों के लिए ही नहीं, बल्कि जंगलों और नदियों के लिए भी होना चाहिए, जिनका अस्तित्व हमारी लालसा की भेंट चढ़ गया।

वर्तमान परिदृश्य में 'प्रदूषण फैलाने वाला भुगतान करे' का सिद्धांत अपनी सार्थकता खोकर केवल 'वैध व्यापारिक लागत' बनकर रह गया है। बड़ी कंपनियां और औद्योगिक घराने पर्यावरण विनाश से भारी मुनाफा कमाते हैं और कानूनों का उल्लंघन करने पर लगने वाले जुर्माने को अपनी बैलेंस शीट में मामूली खर्च मानकर चुका देते हैं। इस व्यवस्था ने पैसे को संरक्षण के बजाय विनाश का 'लाइसेंस' बना दिया है। ईकोसाइड की अवधारणा इसी खामी पर प्रहार करते हुए नागरिक दायित्व को 'कठोर आपराधिक उत्तरदायित्व' में बदलने की वकालत करती है। संदेश देती है कि प्रकृति कोई 'कमोडिटी' नहीं जिसे नष्ट करके उसकी कीमत चंद रुपयों में चुकाई जा सके; बल्कि जीवंत इकाई है।जब भोपाल गैस त्रासदी और श्रीराम फर्टिलाइजर्स जैसी भयावह घटनाएं हुई है।

सूचना
सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

रहमान के नेतृत्व वाले बांग्लादेश से खासी उम्मीदें

डॉ हिदायत अहमद खान

बांग्लादेश के आम चुनाव परिणामों ने दक्षिण एशिया की राजनीति में एक नया अध्याय लिखने के लिए एक कोरी डायरी पेश कर दी है। इसमें नई सरकार के काम-काज के साथ ही उनके असर को बिंदुवार रेखांकित किया जा सकेगा। दरअसल तारिक रहमान की 17 वर्ष बाद स्वदेश वापसी और उनकी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की निर्णायक जीत ने सत्ता संतुलन बदल दिया है। यह चुनाव जुलाई 2024 की हिंसक उथल-पुथल और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के लंबे शासन के अंत के बाद हुआ। स्वाभाविक है कि अब सबकी नजर नई सरकार की कथनी और करनी के साथ ही साथ विदेश नीति पर है। सवाल यही कि क्या ढाका नई दिल्ली के करीब आएगा या बीजिंग और इस्लामाबाद की ओर झुकेगा? वैसे भी भारत के लिए यह सवाल केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और रणनीतिक महत्व का है। याद करें जब 1971 में पूर्वी पाकिस्तान के दमन के खिलाफ मुक्ति संग्राम छिड़ा, तब भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई। भारतीय सेना के हस्तक्षेप, शरणार्थियों को आश्रय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन ने स्वतंत्र बांग्लादेश के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। इसलिए भारत-बांग्लादेश संबंध केवल पड़ोसी देशों का रिश्ता नहीं, बल्कि साझा इतिहास, बलिदान और सांस्कृतिक निकटता से जुड़ा है। आखिर यह कौन नहीं जानता कि तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की दृढ़ कूटनीतिक और सैन्य रणनीति ने पाकिस्तान को 13 दिनों के युद्ध में घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। वक्त बदला और हालात भी बदले लेकिन भारत ने कभी भी बांग्लादेश के साथ दोयम दर्जे का बर्ताव कभी नहीं किया। हर समय कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ाने का काम किया, आर्थिक मदद प्रदान करने से भी पीछे नहीं हटा। यही वजह रही कि जैसे ही बीएनपी की बंपर जीत सामने आई नई दिल्ली ने तेजी से पहल करते हुए बधाई संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रगतिशील बांग्लादेश की कामना की। यह संदेश औपचारिक जरूर था, लेकिन इसके निहितार्थ स्पष्ट थे, भारत पिछले डेढ़ वर्ष की अस्थिरता, चीन-पाकिस्तान की बढ़ती सक्रियता और अल्पसंख्यकों पर हमलों जैसी चिंताओं को पीछे छोड़ स्थिर संबंध चाहता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

संसद में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हनन के प्रश्न

विश्वनाथ सचदेवा

> प्रधानमंत्री को सदन में न आने देने की सलाह के बारे में बताते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने जो कहा, वह निश्चित रूप से चिंता की बात है। उन्होंने 'पुख्ता जानकारी' का हवाला देते हुए कहा था कि उस दिन सदन में प्रधानमंत्री के साथ कुछ भी हो सकता था। इस 'कुछ भी' का ब्योरा उन्होंने यह शब्द लिखे जाने तक नहीं दिया है, पर यह कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि उनका इशारा प्रधानमंत्री की सुरक्षा की ओर था। यदि ऐसा कुछ है तो देश को यह जानने का अधिकार है कि हमारे प्रधानमंत्री को किससे और कैसा खतरा था। यही नहीं, यह बताना भी अध्यक्ष का कर्तव्य है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए खतरा बनने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है। यह सब यदि देश को नहीं बताया जा रहा है तो तरह-तरह की अफवाहें फैल सकती हैं।

संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस के दौरान हंगामा तो पहले भी होता रहा है, पर इस बार जो कुछ हुआ, वह अभूतपूर्व ही था। पहली बात तो यह हुई कि सत्ता पक्ष ने नेता विपक्ष को उनकी बात नहीं कहने दी और दूसरी यह कि किसी 'अनहोनी' की आशंका से लोकसभा के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को यह आग्रह किया कि वह कार्यक्रम के अनुसार सदन में बहस का उत्तर देने न आयें। यह दोनों ही बातें हैरान करने वाली हैं, पर यह भी अपने आप में कम हैरानी की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष की सलाह मानते हुए सदन में न आने का निर्णय कर लिया। यह घटना जहां एक ओर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के हनन के रूप में याद रखी जायेगी, वहीं इस बात पर भी प्रश्नचिन्ह लगाती है कि हमारी संसद में देश के प्रधानमंत्री की सुरक्षा खतरे में क्यों और कैसे पड़ गयी।

प्रधानमंत्री को सदन में न आने देने की सलाह के बारे में बताते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने जो कहा, वह निश्चित रूप से चिंता की बात है। उन्होंने 'पुख्ता जानकारी' का हवाला देते हुए कहा था कि उस दिन सदन में प्रधानमंत्री के साथ कुछ भी हो सकता था। इस 'कुछ भी' का ब्योरा उन्होंने यह शब्द लिखे जाने तक नहीं दिया है, पर यह कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि उनका इशारा प्रधानमंत्री की सुरक्षा की ओर था। यदि ऐसा कुछ है तो देश को यह जानने का अधिकार है कि हमारे प्रधानमंत्री को किससे और कैसा खतरा था। यही नहीं, यह बताना भी अध्यक्ष का कर्तव्य है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए खतरा बनने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है। यह सब यदि देश को नहीं बताया जा रहा है तो तरह-तरह की अफवाहें फैल सकती हैं। जानी चाहिए कि जल्दी ही देश की जनता को इस बारे में विश्वास में लिया जायेगा।

संसद के भीतर प्रधानमंत्री पर इस तरह खतरे का होना जहां हमारी समूची सुरक्षा व्यवस्था को अंगूठा दिखा रहा है, वहीं सवाल संसद की कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करने वालों के मंतव्य पर भी उठता है। सवाल जनतांत्रिक मूल्यों में हमारी आस्था और विश्वास का है। अक्सर इस तरह की स्थिति विपक्ष के विरोध से उत्पन्न होती है, पर सदस्यों के अभिव्यक्ति के अधिकार को चुनौती इस बार सत्तारूढ़ पक्ष ने भी दी है। जिस तरह नेता विपक्ष को सदन में अपनी बात रखने से रोकने की कोशिश हुई, उन्हें एक पुस्तक का उद्धरण देने से रोका गया, वह नियमों को आधार बनाकर एक सच्चाई को उजागर होने से रोकने की कोशिश ही कही जायेगी। देश के पूर्व सेनाध्यक्ष की जिस कथित रूप से अप्रकाशित पुस्तक को लेकर सारा विवाद हुआ, वह एक उपहास बनकर रह गया है। पहले भी उस पुस्तक के कुछ अंश पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं और अब तो वह सब कुछ सोशल मीडिया के माध्यम से देश के सामने आ गया है, जिसे सत्तारूढ़ पक्ष उजागर नहीं करना चाहता था!

अब सारी दुनिया जान गयी है कि भारत सरकार ने जनरल नरवणे की जिस पुस्तक के अंश को छपने देने की अनुमति अब तक नहीं दी है उसका रिश्ता उस एक घटना से है जिसमें जनरल ने यह लिखा था कि शत्रु देश चीन के बढ़ते कदमों को रोकने के लिए उन्हें सर्वोच्च अधिकारी से आवश्यक अनुमति बार-बार प्रयास करने के बाद भी नहीं मिल पायी थी। सवाल इस घटना की सच्चाई या झूठ का नहीं है, सवाल यह है कि यदि उस दिन लोकसभा में नेता विपक्ष को इस घटना का हवाला देने दिया जाता तो क्या बिगड़ जाता? सारी जानकारी एक खुला रहस्य था, यह बात सदन में दोनों पक्षों को पता थी।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा वाली बात अपनी जगह है। उसकी तो जांच होनी ही चाहिए और जो भी दोषी है उसे उचित सज़ा भी मिलनी चाहिए। इस संदर्भ में किसी को भी किसी तरह की छूट दिया जाना प्रधानमंत्री की ही नहीं, देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करना होगा।इस समूचे प्रकरण का एक हिस्सा जनतांत्रिक व्यवस्था और मूल्यों का है। जो शासन-व्यवस्था हमने अपने लिए चुनी है, उसमें संवाद का सर्वाधिक महत्व है। हमारा संविधान हर नागरिक के अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा करता है। हर नागरिक का अधिकार है कि वह उचित मर्यादाओं का पालन करते हुए अपनी बात कह सकता है। संसद में, और विधानसभाओं में तो सदस्यों को यह विशेषाधिकार प्राप्त है कि सदन में उनकी कही बात को किसी भी तरह से अपराध नहीं माना जायेगा। यह व्यवस्था इसलिए भी ज़रूरी थी कि निर्वाचित सदस्य अपनी बात निर्भयतापूर्वक कह सकें। ऐसे में यदि नेता विपक्ष को कोई बात कहने से रोका जाता है तो इसे जनतांत्रिक मूल्यों-परंपराओं का नकार ही कहा जायेगा। निर्वाचित सदस्यों से यह अपेक्षा अवश्य की जाती है कि वे अपनी मर्यादाओं का पालन करेंगे, पर इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को अपनी बात सदन में कहने का अवसर और अधिकार मिलना ही चाहिए।

वहीं, एक बात यह भी समझने की है कि मतदाता सिर्फ सरकार ही नहीं चुनता, विपक्ष का भी चुनाव करता है। यदि वह एक पक्ष को सरकार चलाने का काम सौंपता है तो दूसरे पक्ष से वह यह अपेक्षा करता है कि वह सत्तारूढ़ पक्ष के काम-काज पर समुचित निगाह रखेगा। सदस्यों को सदन में अपनी बात कहने का अवसर देने का मतलब यही है कि हर सदस्य को अपना दायित्व निभाने का अवसर मिले। महज इसलिए कि किसी की बात से हम असहमत हैं, उसे बात कहने का मौका नहीं देंगे, या उसके बोलने में रुकावट डालेंगे, यह हर दृष्टि से अनुचित और अजनतांत्रिक है।प्रसिद्ध फ्रांसीसी विचारक वाल्तेयर ने इस संदर्भ में बहुत ही महत्वपूर्ण बात कही थी। उनका कहना था, 'मैं आपके विचार से असहमत हो सकता हूं, पर अपनी बात कहने के आपके अधिकार की रक्षा मैं अपने प्राण देकर भी करूंगा'। वाल्तेयर की यह सोच जनतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करने वाले हर व्यक्ति के लिए एक चुनौती है। हमें इस चुनौती को स्वीकार करना ही होगा। यदि हम ऐसा नहीं करते तो इसका अर्थ है हम उस व्यवस्था के मूल्यों में विश्वास नहीं करते जो हमने अपने लिए चुनी है।उस दिन सदन में नेता प्रतिपक्ष को वह सब कहने दिया जाना चाहिए था जो वे जनरल नरवणे को उद्धृत करके कहना चाहते थे। यह उनका अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी था। उसी तरह सदन के नेता प्रधानमंत्री का भी अधिकार और कर्तव्य है कि वह प्रतिपक्ष द्वारा उठाये गये सवालों का जवाब देते। लोकसभा में ऐसा नहीं हुआ। होना चाहिए था। राज्यसभा में प्रधानमंत्री अपनी बात कह सकते थे। पर पता नहीं क्यों उन्होंने उन सवालों का जवाब देना ज़रूरी नहीं समझा, जो इस समूचे संदर्भ में उठ रहे हैं। (यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

आध्यात्मिक ऊर्जा से जुड़ने का दिव्य अवसर है महाशिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

> शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिव पुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है।

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 15 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊर्जाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है।महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिव पुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ है, ''जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।''

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं। (यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8639

1	2		3	■	4		5	6
7		■	8			■	9	
	■	■		■	10	11	■	
12		13	■	14				
■	■		■		■		■	■
15			16		■	17		18
	■	19		■	20	■	■	
21	22	■	23			■	24	
25				■	26			

बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग, दाढ़ी बनाना-4
7. बेल, लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर, परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा, लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम, यवनी-3
24. मोल, कीमत-2
25. स्वभाव, आदत-4
26. करतब, करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1. शमशीर, कृपाण-4
2. मां, मम्मी-3
3. नीयत, चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय, वोट-2
6. आंदोलन, संग्राम-4
11. क्षारीय, चटपटा-4
13. आशियां, नीड़-4
14. नेत्र, आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत, रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा, श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -8638 का हल

■	म	नु	हा	र	■	नी	■	■
■	हा	■	नि	■	म	र	घ	ट
भं	व	र	■	म	नो	ज	■	क
■	र	ज	त	■	का	■	ता	रा
म	■	नी	ल	क	म	ल	■	व
हा	ल	■	ब	■	ना	ह	क	■
व	■	आ	गा	र	■	र	वा	ना
त	क	रा	र	■	रा	■	य	■
■	■	म	■	त	ह	म	द	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

15 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

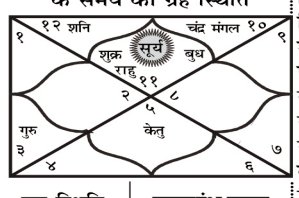

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कुंभ में
चंद्र	मकर में
मंगल	मकर में
बुध	कुंभ में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	कुंभ में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कुंभ	06.25 बजे से
मीन	08.02 बजे से
मेष	09.33 बजे से
वृष	11.13 बजे से
मिथुन	13.11 बजे से
कर्क	15.24 बजे से
सिंह	17.41 बजे से
कन्या	19.52 बजे से
तुला	22.03 बजे से
वृश्चिक	00.18 ब.से
धनु	02.34 बजे से
मकर	04.39 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 46 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 17.05 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 19.48 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 02.47 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 17.05 बजे तदनन्तर विष्टि 05.24 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 12° 45' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872621 **जूलियन दिन** 2461086.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 26 **विशेष** महाशिवरात्रि व्रत।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से 07.23	बजे तक	शुभ	05.36	से 07.09	बजे तक
चर	07.23	से 08.51	बजे तक	अमृत	07.09	से 08.41	बजे तक
लाभ	08.51	से 10.18	बजे तक	चर	08.41	से 10.14	बजे तक
अमृत	10.18	से 11.46	बजे तक	रोग	10.14	से 11.46	बजे तक
काल	11.46	से 01.14	बजे तक	काल	11.46	से 01.19	बजे तक
शुभ	01.14	से 02.41	बजे तक	लाभ	01.19	से 02.51	बजे तक
रोग	02.41	से 04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51	से 04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09	से 05.36	बजे तक	शुभ	04.24	से 05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

बरगवां में युवक की पीट-पीटकर हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली। जिले के बरगवां थाना क्षेत्र के कन्नई गांव में एक आदिवासी युवक की पीट-पीटकर हत्या का मामला सामने आया है। मामूली विवाद के बाद दो युवकों ने युवक पर लाठी, डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है।बरगवां थाना क्षेत्र में हुई इस घटना को लेकर एसडीओपी गौरव पांडे ने पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि मृतक की पहचान विष्णु बैगा के रूप में हुई है। विष्णु अपने गांव गुल्ली डांड से कन्नई पाही में आयोजित छठी बरही कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा था। इसी दौरान वह रास्ते में रवि ढाबे के पास सामान खरीदने के लिए रुका, जहां पहले से मौजूद विक्रम बैसवार और केशव बैसवार शराब पी रहे थे।बताया गया कि इसी दौरान तीनों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोपियों ने विष्णु बैगा पर लाठी, डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को बैढ़न के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां शुक्रवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।मारपीट की सूचना मिलते ही बरगवां थाना प्रभारी समीर वारसी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। प्रारंभ में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था, लेकिन पीड़ित की मौत के बाद हत्या की धारा जोड़ दी गई है। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

कोयलखूंथ में बाइक-ऑटो की आमने-सामने भिड़ंत, संगठन की तत्परता से बची युवक की जान

सिंगरौली। सिंगरौली। माड़ा थाना क्षेत्र के कोयलखूंथ में शुक्रवार को बाइक और ऑटो की आमने-सामने टक्कर में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घायल युवक को समय पर अस्पताल पहुंचाकर क्षत्रिय कुलावंत संगठन ने मानवता का परिचय दिया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में बाइक सवार युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके सिर व शरीर से खून बहने लगा। मौके पर मौजूद लोग घबरा गए और सूचना देने में जुट गए।घटना की जानकारी मिलते ही संगठन के माड़ा तहसील अध्यक्ष विकेश सिंह अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना देर किए घायल युवक को उठाकर वाहन में बैठाया और जिला अस्पताल वैढ़न पहुंचाया। घायल को संभालते समय उनके कपड़े भी खून से भीग गए, लेकिन उन्होंने बिना हिचक मदद की।घायल युवक की पहचान नादो निवासी सुरेश जैसवाल के रूप में हुई है। वहीं ऑटो में सवार एक महिला भी घायल बताई जा रही है, जिसका उपचार जारी है। स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा के कड़े इंतजाम और यातायात नियमों के पालन की मांग की है।

कोयला चोरों के खिलाफ वन परिक्षेत्र वैढन वन अमले ने की कार्यवाही

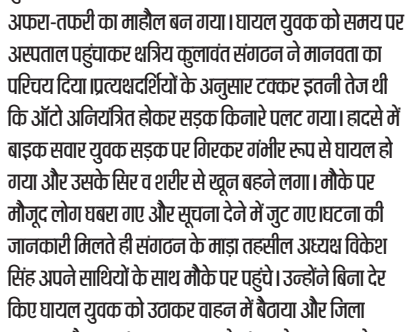

सिंगरौली । वन भ्रमण और गस्ती के दौरान बीट दक्षिण अमिलिया वन क्षेत्र से अवैध रूप से साइकिल से 6 बोरो में कोयला ले जाते हुए 3 आरोपियों को पकड़ा गया और वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया। । वन अमले द्वारा वन परिक्षेत्र में महेंद्र साकेत पिता लालचंद साकेत उम्र 29 वर्ष निवासी अमिलिया ,उदेन साकेत पिता वंश स्वरूप साकेत उम्र 30 वर्ष निवासी बदौरा , राजेश शाह पिता भैयालाल साह उम्र 30 वर्ष निवासी अमिलिया के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया उक्त कार्वाई में श्री अखिल बंसल वन मंडल अधिकारी , नरेंद्र त्रिपाठी उपवन मंडल अधिकारी बैढ़न के मार्गदर्शन एवं राजकुमार यादव वन परिक्षेत्र अधिकारी बैढ़न के निर्देशन में लालमणि सिंह प0स0 अमिलिया विनय सिंह का0 वनपालअरविंद सिंह व0र0 नीरज चौबे व0र0 विपिन पांडे, व0र0के द्वारा कार्यवाही पूर्ण की गई।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

सिंगरौली। बैढ़न स्थित दिव्यांग छात्रावास में एनसीएल दुद्धीचुआ महिला मंडल द्वारा नव प्रवाह समिति के दिव्यांग बच्चों के लिए स्वास्थ्य शिविर एवं परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नियमित चिकित्सकीय जांच के महत्व को समझाना रहा।

कोतमा क्षेत्र के लिए स्वास्थ्य शिविर ऐतिहासिक और उपयोगी: दिलीप जायसवाल

आदित्य सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के चिकित्सकों और संपूर्ण टीम की मौजूदगी मार्गदर्शन चेकअप,दवा वितरण

विजय मत, अनूपपुर

आनंद वर्धन वेलफेयर सोसाइटी एवं आदित्य सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल शहडोल की ओर से 13 फरवरी शुक्रवार को सुबह 10:00 बजे से अनूपपुर जिले के नगर परिषद समुदायिक ग्रह मंगल भवन नगर कोतमा में विशाल निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया,जिसमें सैकड़ो लोग लाभान्वित हुऐ एवं विधबत ढंग से उनका इलाज भी किया गया,खासतौर से लकवा,हृदय,आंख,हड्डी और महिला रोग से संबंधित मरीजों की संख्या ज्यादा तौर पर देखने को मिली, जिनको संबंधित विभाग के चिकित्सकों ने विधवत परीक्षण और काउंसलिंग करते हुए उन्हें उनके बीमारी के प्रति जागरूक और दवाइयां लिखी इसके पश्चात उन्हें निशुल्क दवाइयां भी प्रदान की गई,

स्वास्थ्य शिविर वृद्धजनों के लिए वरदान- मंत्री

निशुल्क स्वास्थ्य समिति के दौरान मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं स्थानीय विधायक दिलीप जायसवाल ने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य पर खासतौर से वृद्ध जनों के लिए बेहद उपयोगी होते हैं जो दूर दराज के अस्पतालों में जाने और वहां इलाज करने में काफी दिक्कत महसूस करते हैं,साथ ही श्री जायसवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार केंद्र सरकार लगातार स्वास्थ्य के प्रति तमाम ऐसी योजनाएं बनाकर रखी है जिसके बारे में आम जन जागरूक हो और उसका उपयोग करें खासतौर से आयुष्मान योजना को लेकर मंत्री ने कहा कि आम जनता के लिए आयुष्मान योजना बेहद लाभकारी है साथी उन्होंने यह भी कहा कि आदित्य सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल शहडोल में जिस तरीके से आयुष्मान धारकों का इलाज किया जाता है वह बेहद सराहनीय है, मंत्री श्री जायसवाल ने यह भी कहा कि हमारी मनसा है कि हमारे क्षेत्र के मरीज दूर दराज शहरों में इलाज के लिए ना भटके नाही वहां बेफिजूल का पैसा खर्च करें, इसी तारतम में मंत्री ने कहा कि आदित्य सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने जिस तरीके से अत्याधुनिक सुविधाओं से अपने अस्पताल को परिपूर्ण किया है वह क्षेत्र की आवाम के लिए बेहद किफ़ायती,लाभकारी,एवं सेवा पूर्ण का कार्य है।

शिविर का मूल उद्देश्य परोपकार सेवा और सहयोग

जिनके आगे पीछे कोई नहीं है, जिन्हें इलाज के लिए दर-दर भटकना पड़ता है, जिनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय है,उनकी सेवा करना उन्हें उनकी बीमारियों से मुक्त कराना,स्वस्थ जीवन प्रदान करना यह हमारी निशुल्क स्वास्थ्य शिविर की पहली प्राथमिकता है कुछ ऐसे ही उद्गार विचारों को व्यक्त करते हुए आदित्य सुपर स्पेशलिटी शहडोल के संचालक डॉ आदित्य द्विवेदी एवं आनंद वर्धन वेलफेयर सोसाइटी की संचालिका डॉक्टर इस्मिता द्विवेदी ने कहां की आने वाले समय में दूर दराज के गांव क्षेत्रों में जा-जा कर और बेहतर ढंग से हम चिकित्सा के क्षेत्र में आम जन के बीच सेवा भाव से काम करने जा रहे हैं

वर्षो से तकलीफ दबा के बैठे थे लोग,शिविर में आकर दर्द हुआ कम

शिविर के दौरान लोगों ने बताया विशेषज्ञ चिकित्सकों के अभाव में वे वर्षों से बीमारी और तकलीफ से गुजर रहे थे पर इस शिविर में जिन डॉक्टरों की उन्हें जरूरत थी उनसे मिलकर मार्गदर्शन प्राप्त करके वह अपनी समस्याओं तकलीफों को ठीक करने में सहूलियत महसूस कर रहे हैं

स्थानीय नागरिकों ने कहा कि इस तरह के शिविरों से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को बड़ी राहत मिलती है। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी आयोजन जारी रखने का संकल्प लिया। वही दूर दराज से आए लोगों ने कहा कि उन्होंने सपनों में भी नहीं सोचा था कि उनके क्षेत्र में घर बैठे ऐसे विशेषज्ञ डॉक्टर मिलेंगे और वह अपनी समस्याओं को उन तक रख पाएंगे और उसका इलाज प्राप्त कर पाएंगे

जरूरतमंदों को निशुल्क सामग्री औषधि एवं अन्य सामान

स्वास्थ्य शिविर के दौरान जहां चिकित्सकों द्वारा विधवत जांच करते हुए स्वास्थ्य संबंधी उपकरण बांटे गए वहीं आवश्यकता अनुसार मरीजों का जाँच कर उनका उपचार किया गया एवं औषधीया प्रदान की गई, एवं उनके अंदर पनप रहे बीमारियों के बारे में जागरूक किया गया और विधिवत इलाज़ और बचाव के बारे में भी मार्गदर्शन दिया गया, इस दौरान महिलाओं से संबंधित बीमारियों के मरीजों की संख्या अधिकतर रही जिनको महिला चिकित्सक डॉक्टर दिव्यानी ने देखें।

शहडोल में अधूरे विकास का तमाशा, 20 करोड़ के वाटर पार्क का अपूर्ण निर्माण में लोकार्पण

2 करोड़ से अधिक का काम शेष, फिर भी फीता कटा, नियमों और गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

विजय मत, धनपुरी

जिले के धनपुरी नगर पालिका द्वारा लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे वाटर पार्क का लोकार्पण उस समय कर दिया गया, जब करीब 10 प्रतिशत निर्माण कार्य अभी बाकी था। स्वयं अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि लगभग 2 करोड़ रुपये सेअधिक का काम अधूरा है और उसे पूरा करने में कम से कम एक माह का समय लग सकता है। इसके बावजूद 8 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उद्घाटन कर दिया गया, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।

टाइल्स अधूरी, पेवर ब्लॉक गायब, जमीन पर अधूरा ढांचा

स्थल निरीक्षण में सामने आया कि कई हिस्सों में टाइल्स अब तक नहीं लगाई गई हैं। जहां पेवर ब्लॉक बिछाए जाने थे, वहां अधूरी सतह और निर्माण सामग्री बिखरी पड़ी है। उद्घाटन से ठीक पहले आनन-फानन में काम तेज किया गया, लेकिन तय समय तक भी कार्य पूरा नहीं हो सका। इसके बावजूद परियोजना को जनता के नाम समर्पित कर दिया गया। लोकार्पण के बाद भी मजदूरों का काम करते रहना इस जल्दबाजी को उजागर करता है।

जमीन विवादित, फिर भी जारी हुआ 20 करोड़ का टेंडर

मामले को और गंभीर बनाता है जमीन से जुड़ा विवाद। जिस भूमि पर यह वाटर पार्क बनाया जा रहा है, वह लंबे समय तक नगर पालिका के नाम दर्ज ही नहीं थी। भू-भाटक जमा नहीं होने के कारण स्वामित्व स्पष्ट नहीं था। इसके बावजूद करोड़ों रुपये की टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण शुरू कर दिया गया। स्थानीय नागरिकों ने इसे नियमों की अनदेखी बताते हुए जांच की मांग की है।

बाद में पूरी की गई औपचारिकताएं, पहले शुरू हुआ निर्माण

नगर पालिका अधिकारियों का कहना है कि पिछले महीने 1 करोड़ 43 लाख रुपये की राशि जमा कर जमीन से संबंधित प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। हालांकि शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि जब टेंडर जारी हुआ, उस समय जमीन का स्वामित्व दर्ज नहीं था। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या पहले निर्माण शुरू कर बाद में कागजी औपचारिकताएं पूरी की गईं?

महाशिवरात्रि पर्व पर धार्मिक उत्साह के साथ शहीदों को श्रद्धांजलि

उमरिया । महाशिवरात्रि पर्व को लेकर धार्मिक माहौल बना हुआ है। सगरा मंदिर धाम में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में हल्दी, मेहंदी एवं संगीत कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए और भगवान शिव-पार्वती के शुभ मिलन उत्सव का आनंद लिया। आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि 15 फरवरी 2026 को दोपहर 1 बजे बारात प्रस्थान करेगी, जो शिव शक्ति धाम उमरार सिटी से सगरा मंदिर धाम के लिए निकलेगी। श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की गई है। इसी दौरान कार्यक्रम में पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए भारतीय वीर जवानों को शत-शत नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। उपस्थित श्रद्धालुओं एवं समिति सदस्यों ने देश की सुरक्षा में बलिदान देने वाले वीर सपूतों को याद करते हुए दो मिनट का मौन रखा। इस पूरे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन का संचालन श्री सागरेश्वर नाथ सेवा समिति द्वारा किया जा रहा है।

माइक्रो ड्रामा की दुनिया में नया रिकॉर्ड,ऑल आई वांट इज़ तुम को मिली शानदार शुरुआत

कुकू टीवी पर छाया शहडोल का बेटा: प्रतीक के निर्देशन में बना शो दर्शकों को आया पसंद

विजय मत, शहडोल

मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के युवा निर्देशक प्रतीक श्रीवास्तव एक बार फिर चर्चा में हैं। भारत के लोकप्रिय माइक्रो ड्रामा प्लेटफॉर्म ‍चह्वह्न ञ्जङ्क पर रिलीज हुआ उनका नया शो द्यद्य ढ्ढ ड्ड्रठ्ठह्ल ढ्ढह्य ञ्जह्वद्व दर्शकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।रिलीज के तीन दिनों के भीतर ही इस शो को लाखों दर्शकों ने देखा और सराहा है।भोपाल में शूट किए गए इस लव ट्रायंगल आधारित माइक्रो ड्रामा में टीवी कलाकार ज़ान खान, नरगिस राजपूत और सेजल साहू मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। कुल 46 एपिसोड में प्रस्तुत यह श्रृंखला लगभग डेढ़ घंटे की संपूर्ण कहानी को संक्षिप्त और प्रभावी रूप में दर्शाती है।प्रतीक श्रीवास्तव इससे पहले कई बॉलीवुड फिल्मों में चीफ असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में कार्य कर चुके हैं। उन्होंने चर्चित वेब सीरीज तथा लोकप्रिय कार्यक्रम में अभिनय भी किया है। इसके अलावा वे शासकीय स्वच्छ भारत अभियान के कैंपेन का निर्देशन भी कर चुके हैं।शो के प्रोड्यूसर प्रशांत पाल हैं। एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में शुभम् तिवारी ने सहयोग दिया, जबकि आर्ट डायरेक्शन की जिम्मेदारी दीपक बार्डे ने संभाली। प्रतीक ने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनकी टीम ने मात्र तीन दिनों में तैयार किया, जो माइक्रो ड्रामा फॉर्मेट की रफ्तार और रचनात्मकता को दर्शाता है।बॉलीवुड के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी प्रतीक की सक्रियता सराही जा रही है। इंस्टाग्राम पर वे अपने फॉलोअर्स को रियल टाइम अपडेट देते रहते हैं, जिससे युवा वर्ग में उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।शहडोल जैसे छोटे शहर से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना जिले के लिए गर्व का विषय है।प्रतीक श्रीवास्तव की यह सफलता स्थानीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है।

शहर के अंदर विकास के कामों को लेकर जिला प्रशासन का हमेशा दिखा सहयोग -अजय शर्मा

विजय मत, धनपुरी

धनपुरी शहर की पहचान विकास के कामों को लेकर होती है यहां पर जो पिछले कुछ वर्षों में काम हुए हैं वह पूरे जिले में इस शहर के लिए एक अलग पहचान बनी है 8 फरवरी को जब प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय मोहन यादव का धनपुरी नगर आगमन हुआ जहां पर उन्होंने वार्ड 2 में नवनिर्मित वाटर पार्क स्विमिंग पूल एवं क्लब हाउस का लोकार्पण किया और इसी के साथ इस शहर को एक ऐसी सौगात मिली जो आज सिर्फ शहर में ही नहीं बल्कि पूरे संभाग चर्चा का विषय बनी हुई है कार्यक्रम में मुख्यमंत्री माननीय मोहन यादव ने भी पूरे नगर पालिका परिषद की इस विकास के काम को लेकर सराहना की गई थी जो कहीं ना कहीं शहर के लिए एक महत्वपूर्ण पल माना जा सकता है इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में जिले के लोकप्रिय कलेक्टर डॉक्टर केदार सिंह जो सहभागिता निभाई आज अगर देखा जाए तो पूरा शहर उनकी सराहना कर रहा है लेकिन इसके ठीक उलट कांग्रेस ने इतने बड़े विकास कार्य को लेकर जो विरोध की राजनीति की है उसे जनता कभी माफ नहीं करेगी उक्त बातें भाजपा मंडल धनपुरी के अध्यक्ष अजय शर्मा एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता सदन कपूर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहीं।भाजपा नेताओं ने कहा कि विरोध करना हर किसी का अधिकार है लेकिन जब शहर को इतने बड़े विकास की सौगात मिल रही थी तब ऐसे समय पर कांग्रेस ने जो विरोध किया उसे कहां तक उचित माना जा सकता है क्योंकि वार्ड 2 में जो कार्यक्रम आयोजित हुआ वह किसी दल का कार्यक्रम नहीं था बल्कि यह पूरे शहर का कार्यक्रम था और जहां पर हजारों की संख्या में शहर के लोग भी शामिल होकर इस बड़ी सौगात के सहभागी बन रहे थे यहां पर जो विकास का काम नगर पालिका धनपुरी के द्वारा किया गया यह परिषद की बैठक में सर्वसम्मति से पारित हुआ।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का कांग्रेसियों ने किया स्वागत

विजय मत, उमरिया

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी शहडोल संभागीय दौरे पर आये उमरिया जिले सहित पाली में ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा ज़ोरदार स्वागत किया।इस दौरान पाली में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे और प्रदेश अध्यक्ष का पुष्पमालाओं से अभिनंदन किया गया।

मीडिया से चर्चा करते हुए पटवारी ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पिछले 25 वर्षों में प्रदेशवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्था चरमराई हुई है और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस कार्रवाई का भय दिखाया जाता है। भाजपा शासन में अब तो जिले के कलेक्टर भी डण्डा भांज रहे है।श्री पटवारी ने कहा की आखिर सरकार नाम की व्यवस्था है नहीं आपने ÷मुख्यमंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए बीते दिनों मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शहडोल संभाग के धनपुरी में एक सभा के दौरान कहा था कि ÷मैं अगर भगवान का नाम लेता हूं तो कांग्रेसियों की छाती पर सांप लोट जाता है।जिस पर आपने कहा की ÷मोहन यादव जी माला लेकर दिन-रात भगवान का नाम जपें, हम उनका स्वागत करते हैं। लेकिन सरकार तो चलाना हैं, तो सरकार के अनुरूप चलाना पडेगा।

तिरंगा यात्रा

युवा व गाँव वासी ने वीर शहीदों के सम्मान में नारेबाजी की और भारत माता का जय घोष किया

युवाओं ने पुलवामा शहीदों की याद में निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

विजय मत, उमरिया

पुलवामा शहीदों की याद में युवा टीम उमरिया के द्वारा जम्मू कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद जवानों के सम्मान में बुधवार को विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया ।गाँव कच्छरवार के शासकीय विद्यालय से आरंभ कर गाँव के चौराहे पर जाकर समाप्त हुआ। यह तिरंगा यात्रा सम्पूर्ण गाँव के मुख्य मार्गो से होते हुए गाँव के मुख्य चौराहे में पहुंचा। इस दौरान तिरंगा यात्रा में सैकड़ो की संख्या में युवा व गाँव वासी ने वीर शहीदों के सम्मान में नारेबाजी की और भारत माता का जय घोष किया। सभी ने 100 मीटर की तिरंगा के साथ शहीदों की शहादत को न सिर्फ याद किया बल्कि देश की सरजमी की खातिर अपनी जान तक कुर्बान करने के प्रति संकल्पित हुए। गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर के पुलवामा में वर्ष 2019 के फरवरी महीने की 14 तारीख को आतंकी हमले ने सीआरपीएफ के 44 जवान शहीद हो गए थे और शहीदों की शहादत की बरसी पर शहीदों को नमन किया गया तिरंगा यात्रा के माध्यम से उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। हिमांशु तिवारी ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि देश के वीर जवानों की कुर्बानी कभी भूली नहीं जा सकती है। उन्होंने ने कहा कि देश के जवानों के सम्मान में हर वर्ष युवा टीम राष्ट्र को समर्पित कार्यक्रमों के साथ-साथ तिरंगा यात्रा का आयोजन कर यह संदेश देती है कि हमारे दिलों में देश और भारत माता के वीर जवानों के प्रति कभी भी सम्मान कम न हो। हमारे दिलों में हमेशा उनके लिए एक स्थान रहे और उनकी शहादत को हम कभी न भूले। इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से युवा टीम के सदस्यों ने भारत माता की जय ,वंदे मातरम, वीर जवान अमर रहे, शहीदों का बलिदान नहीं भूलेंगे ,हिंदुस्तान के नारे लगाए ।जिसकी गूंज से शहर वासी जवानों के प्रति नसमस्तक हुए और अपनी विनम्र श्रद्धांजलि दी। तिरंगा यात्रा जिस रास्ते से गुजरता गया सैकड़ो की संख्या में लोग शामिल होते गए और इस तिरंगा यात्रा को सफल बनाया।उन्होंने बताया कि हमारे देश में कई ऐसे हमले हुए। जिसमें देश के जवान शहीद हुए आजादी के बाद देश के वीर जवानों ने हमारी भारत भूमि को दुश्मनों से रक्षा करने का जो बीड़ा उठाया है उसे हम सदैव सम्मान देंगे एवं भारत माता की सेवा करते-करते जो जवान शहीद हुए हैं उनके लिए हमारे हृदय में हमेशा सम्मान रहेगा साथ ही प्रत्येक वर्ष युवा टीम किसी न किसी कार्यक्रमों के माध्यम से जवानों की शहादत को श्रद्धा अर्पण करते रहेगा।इसलिए हम 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे मनाने की बजाए शहीद यादगार दिवस मना रहे हैं। देश की रक्षा के लिए सभी शहीदों को सम्मान देना हमारा नैतिक कर्तव्य है और शहीदों की शहादत के चलते ही हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। तिरंगा यात्रा के समापन में अंबेडकर चौक में पुलवामा में शहीद हुए 44 जवानों के चित्र पटल पर माला अर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान विद्यालय प्रचार धर्मेंद्र कुमार गौतम नर्मदा प्रसाद राय,हिमांशु तिवारी,शिवांजली सोनी,राहुल सिंह, शिवानी सिंह, सुषमा सिंह, आराधना सिंह, श्रेयमश सिंह,सत्यम सिंह,देवलाल राम भगत, वैष्णवी विश्वकर्मा ,अनामिका प्रजापति,सौरव पांडेय, स्नेहा सोनी, विशाखा सोनी, प्रिया पाल,साधना पाल, क्षमा यादव,मनु सोनी, सुमित विश्वकर्मा पंकज विश्वकर्मा रोशन बर्मन अमन चौधरी, रागिनी, लक्ष्मी, अमृता आरती एवं सैकड़ो की संख्या में युवा व नगर वासी उपस्थित रहे।

यूज इन शॉर्ट

मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहनों के खातों में राशि की अंतरित

शहडोल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खंडवा जिले के पंधाना से प्रदेश की 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपये अंतरित किया। योजना में अब तक लाड़ली बहनों को 52,304 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहडोल जिले के 186915 लाडली बहनों के खाते में 273378300 रूपये वर्चुअली रूप से अंतरित की।

सरफा बांध में पैदल पुल व जल परीक्षण प्रयोगशाला शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश

शहडोल ।नगर पालिका परिषद शहडोल की मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा भंडारी ने शनिवार को नगर में संचालित विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सरफा बांध स्थित नवीन जल शोधन संयंत्र एवं बड़ी भीड़ तालाब परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया ।सरफा बांध स्थित नवीन जल शोधन संयंत्र में मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने छोटा पैदल पुल निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही जल गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जल परीक्षण प्रयोगशाला को यथाशीघ्र संचालित करने के निर्देश भी प्रदान किए ।निरीक्षण के दौरान पंप गृह में खराब पड़ी जल मोटरों की स्थिति पर गंभीरता व्यक्त करते हुए उन्होंने तत्काल मरम्मत कार्य कर नगरवासियों को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा ।इसके अतिरिक्त बड़ी भीड़ तालाब परिसर में नागरिक सुविधाओं के विस्तार पर जोर देते हुए सार्वजनिक शौचालय निर्माण तथा महिलाओं के लिए पृथक स्नानागार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। तालाब क्षेत्र में प्रगति पर चल रहे समस्त निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने हेतु संबंधित उपयंत्री को सख्त निर्देश प्रदान किए गए ।निरीक्षण के दौरान उपयंत्री एस.एस. तोमर, जल प्रदाय विभाग से अनिल मिश्रा एवं नगर पालिका परिषद के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध कोयला उत्खनन के विरोध में शिवसेना का केशवाही पुलिस चौकी के बाहर धरना करने के बाद हुई कार्यवाही

शहडोल। संभाग प्रमुख पवन पटेल के नेतृत्व में शहडोल जिला अध्यक्ष शिव चक्रवर्ती और उनके शिव सैनिकों द्वारा केशवाही के कटना नदी मरखी माता के पास कई सालों से अवैध कोयला उत्खनन हो रहा था। कई बार ग्रामीणों के द्वारा शिकायत करने के बाद भी कोई कार्यवाही न होने पर केशवाही ग्रामीणों ने शहडोल जिला अध्यक्ष शिव चक्रवर्ती से अवैध कोयला उत्खनन को रोकने और माफियाओं पर कार्यवाही करने की गुहार लगाई जिस पर शिवसेना शहडोल जिला अध्यक्ष के द्वारा केशवाही पुलिस चौकी गंगा मार्को को ज्ञापन सौंप अवैध कोयला उत्खनन रोकने और कोयला माफियाओं पर कार्यवाही करने को ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन सौंपने के बाद भी केशवाही पुलिस चौकी प्रभारी के द्वारा कोयला माफियाओं पर कार्यवाही न करने के विरोध में दिनांक 02 फरवरी 2026 को केशवाही पुलिस चौकी के बाहर धरना प्रदर्शन कर शहडोल पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंप कोयला माफियाओं पर कार्यवाही करने की मांग की थी जिस पर कल दिनांक 13.02.2026 को माननीय शहडोल जिला कलेक्टर महोदय के निर्देश पर कोयला माफियाओं पर कार्यवाही की गई और अवैध कोयला उत्खनन को बंद करवाया ।शिव सेना संभाग अध्यक्ष पवन पटेल के द्वारा कहा गया कि जिला व संभाग में जितने भी अवैध कोयला उत्खनन किया जा रहा है, अगर 15 दिवस के भीतर बंद नहीं हुआ तो शिव सेना शहडोल संभाग खनिज कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन करेगी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने दी महाशिवरात्रि की शुभकामनाएँ

शहडोल । उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने समस्त प्रदेशवासियों को पावन पर्व महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी है। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि का यह पवित्र पर्व भगवान शिव की आराधना, तप, संयम और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक है। यह उत्सव हमें सत्य, करुणा और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है ।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बाबा महाकाल से सभी नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की है।

शहडोल में महाशिवरात्रि पर गूंजेगा हर-हर महादेव

भक्ति और उल्लास से सराबोर रहेगा शहर, भोर से शुरू होंगे अभिषेक, शिवालयों में होगा भव्य श्रृंगार

विजय मत, शहडोल

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शहडोल जिला शिवमय होने जा रहा है। रविवार को पूरे जिले में श्रद्धा, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। शिव मंदिरों में तड़के भोर से ही भक्तों की लंबी कतारें लगेंगी, जहां जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और रुद्राभिषेक के साथ भगवान भोलेनाथ का आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। मंदिरों को फूलों और विद्युत सज्जा से सजाया जा रहा है, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा है।

प्रमुख मंदिरों में विशेष तैयारी, दिनभर चलेगा पूजन

नगर के विराटेश्वरी मंदिर, विराट मंदिर, पंचायती मंदिर, बूढ़ी देवी मंदिर, हनुमान मंदिर और लखबरिया स्थित शिव मंदिर सहित अन्य शिवालयों में विशेष पूजन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रसाद वितरण, पेयजल और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। दिनभर भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे।

लखबरिया का अर्धनारेश्वर शिव मंदिर आस्था का केंद्र

बुढ़ार क्षेत्र के लखबरिया में स्थित अर्धनारेश्वर शिव मंदिर का विशेष महत्व है। जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित इस प्राचीन मंदिर में स्थापित शिवलिंग को अत्यंत चमत्कारिक माना जाता है। मंदिर के पुजारियों के अनुसार यह शिवलिंग खुदाई के दौरान प्राप्त हुआ था और इसकी संरचना अद्वितीय है।

शिवलिंग में समाहित हैं अनेक देवी-देवताओं की दिव्य आकृतियां

इस शिवलिंग में भगवान शिव के साथ ब्रह्मा, विष्णु और महेश की छवि दृष्टिगोचर होती है। साथ ही दुर्गा, काली और सरस्वती की आकृतियां भी समाहित हैं। पार्वती के वास के कारण इसे अर्धनारेश्वर स्वरूप कहा जाता है। यहां श्रद्धालु चुनरी चढ़ाकर मनोकामनाएं मांगते हैं। महाशिवरात्रि पर इस मंदिर में विशेष भीड़ उमड़ने की संभावना है।

नगर में जगह-जगह स्वागत, भजन संध्या और विशाल भंडारा

बारात का नगर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत किया जाएगा। आरती उतारकर प्रसाद वितरण किया जाएगा। मंदिर के पुजारी आशीष राज तिवारी एवं जयंतराज तिवारी ने बताया कि विराटेश्वरी धाम में भजन संध्या के साथ विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

विद्यार्थियों ने जिला पुरातत्व संग्रहालय का किया भ्रमण

विजय मत, शहडोल

पंडित शंभू नाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थियों ने जिला पुरातत्व संग्रहालय, शहडोल का भ्रमण किया। यह भ्रमण विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया था जो मूर्ति कला से जुड़ी आजीविका विषय पर शोध कर रहे हैं। अध्ययन का उद्देश्य केवल ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त करना नहीं, बल्कि मूर्तिकला परंपरा को स्थानीय आजीविका, सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था एवं सामुदायिक विकास से जोड़कर विश्लेषण करना था। भ्रमण के दौरान संग्रहालय के प्रभारी श्री संजय ने विद्यार्थियों को बताया कि मध्य प्रदेश के 55 जिलों में केवल 34 जिलों में संग्रहालय स्थापित है जिनमें से यह एक प्रमुख संग्रहालय है ।जिला पुरातत्व एवं संग्रहालय, शहडोल की स्थापना वर्ष 1981 में की गई। इस संग्रहालय में विंध्य क्षेत्र (शहडोल एवं उमरिया) में बिखरी प्राचीन कलाकृतियों को संग्रहित एवं प्रदर्शित किया गया है।उन्होंने बताया कि शहडोल जिले का इतिहास प्रारंभिक पाषाण काल से आरंभ होता है। नर्मदा, सोन, जोहिला, छोटी महानदी एवं बनास नदियों की घाटियों से हस्तकुठार, खुरचनी एवं सूक्ष्म पाषाण उपकरण प्राप्त हुए हैं। जयसिंहनगर के चितराव ग्राम में चित्रित शैलाश्रय तथा मध्य पाषाण कालीन उपकरण मिले हैं। अतौली-ठेगरहा क्षेत्र में जीवाश्मों की प्रचुरता इस क्षेत्र की प्राचीनता को प्रमाणित करती है। देश में पुरातात्विक धरोहरों का संरक्षण एवं वैज्ञानिक परीक्षण मुख्यतः भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किया जाता है, जो काल-निर्धारण, प्रमाणिकता एवं संरक्षण सुनिश्चित करता है।

सी एम ओ ने मुख्यमंत्री रसोई केंद्र एवं आश्रय स्थल का किया निरीक्षण

शहडोल। नवागत मुख्य नगरपालिका अधिकारी शहडोल श्रीमती आशा भंडारी ने नगरपालिका अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री रसोई केंद्र एवं आश्रय स्थल (रैन बसेरा)का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि नगरीय निकाय द्वारा संचालित 25 बिस्तरीय क्षमता वाले आश्रय स्थल की साफ-सफाई एवं बेड शीट को बदलने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री रसोई केंद्र का निरीक्षण करते हुए भोजन की गुणवत्ता परीक्षण के उद्देश्य से मौजूद लोगों के साथ भोजन भी ग्रहण किया। भोजन की गुणवत्ता सही रखने एवं हितग्राहियों को भरपेट भोजन उपलब्ध कराने हेतु मुख्यनगर पालिका अधिकारी द्वारा योजना प्रभारी को निर्देशित किया गया। साथ ही रसोई केंद्र को स्वच्छ एवं सुसज्जित करने एवं दानदाता संस्थाओं से सहयोग प्राप्त करने की पहल करने हेतु कहा गया। निरीक्षण के दौरान नगरपालिका शहडोल के स्थापना शाखा प्रभारी मोतीलाल सिंह एवं सिटी मिशन मैनेजर सत्यकाम मिश्रा उपस्थित रहे।

रेलवे ट्रैक किनारे वृद्ध का शव मिला, इलाके में फैली सनसनी

विजय मत, शहडोल

शहडोल जिले में रेलवे ट्रैक पर एक वृद्ध का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मामला शहडोल जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र अंतर्गत छादा रेलवे स्टेशन के पास का है, जहां शनिवार देर रात ग्रामीणों ने ट्रैक के किनारे एक शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान जनार्दन द्विवेदी, निवासी धनपुरा के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि वे शाम को रोज की तरह घर से टहलने निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। इसके बाद परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। इसी दौरान रेलवे ट्रैक के पास एक शव मिलने की खबर सामने आई।

घटना की सूचना मिलते ही बुढार पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर प्रारंभिक जानकारी जुटाई। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यह हादसा नहीं, बल्कि हत्या का मामला हो सकता है। उनका कहना है कि जिस स्थिति में शव मिला है, वह कई सवाल खड़े करती है।

पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए बुढ़ार अस्पताल भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी है। पुलिस ने घटनास्थल के पास सर्चिंग भी की है,शनिवार तड़के भी पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची पर जांच कर रही है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत और शोक का माहौल है। परिजन न्याय की मांग कर रहे हैं, वहीं पुलिस ने जल्द ही मामले का खुलासा करने का भरोसा दिलाया है।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी हेतु किसानों का पंजीयन प्रारंभ

शहडोल। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की व्यवस्था की जाती है। इसी क्रम में गेहूं उपार्जन हेतु किसानों का पंजीयन 07 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो चुका है, जो 07 मार्च 2026 तक किया जाएगा।किसान एमपी किसान ऐप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा ई-उपार्जन मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त जिले में प्रस्तावित सभी खरीदी केन्द्रों पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है। किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित खरीदी केन्द्रों में अनिवार्य रूप से ऑनलाइन पंजीयन कराएं, क्योंकि केवल पंजीकृत किसानों से ही समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी की जाएगी।

शहडोल में सट्टे का जाल गहराया, युवाओं का भविष्य संकट में घिरता जा रहा

विजय मत, शहडोल

शहडोल नगर में अवैध सट्टा कारोबार एक बार फिर तेजी से फैलता नजर आ रहा है। अंक आधारित इस खेल ने शहर की कानून व्यवस्था के साथ.साथ सामाजिक ताने.बाने को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। कई स्थानों पर खुलेआम पर्चियां लिखे जाने और मोबाइल नेटवर्क के जरिए सट्टा संचालित किए जाने की चर्चाएं आम हो गई हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह गतिविधियां अब छिपी नहीं रहींए बल्कि संगठित रूप लेती जा रही हैं।

युवाओं पर गहराता असरए परिवारों पर आर्थिक बोझ

कम समय में अधिक धन कमाने का लालच युवाओं को इस जाल में खींच रहा है। दस के

बदले अस्सी मिलने जैसे प्रलोभनों से प्रभावित होकर कई युवक अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। हार के बाद कर्ज का दबाव बढ़ता है और परिवार आर्थिक संकट में घिर जाते हैं। मानसिक तनाव और सामाजिक दबाव के कारण युवाओं में अवसाद की स्थिति बन रही हैए जिससे गंभीर घटनाओं की आशंका भी बढ़ रही है।

शहर के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय नेटवर्क

कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत कई इलाकों में इस अवैध गतिविधि के संचालन की खबरें सामने आ रही हैं। पुराने मोहल्लों से लेकर बस स्टैंड क्षेत्र तक सट्टे का नेटवर्क सक्रिय बताया जा रहा है। भले ही कुछ लोग दिखावे के तौर पर यह धंधा बंद करने की बात करते होंए लेकिन मोबाइल के माध्यम से गुप्त रूप से संचालन जारी रहने की चर्चाएं हैं।

आसपास के कस्बों तक पहुंचा कारोबार

सूत्रों के अनुसार यह अवैध नेटवर्क अब बुढ़ार और धनपुरी तक फैल चुका है। जीरो से नौ नंबर तक चलने वाले इस खेल में एक नंबर खुलते ही शेष रकम संचालकों के पास चली जाती हैए जबकि खिलाड़ी अधिकांश समय घाटे में रहते हैं। यह गणितीय जाल आम लोगों को आर्थिक रूप से कमजोर कर रहा है।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठते सवाल

पूर्व में सट्टा और जुए के खिलाफ सख्त अभियान चलाए गए थेए जिससे इस पर नियंत्रण देखा गया था। लेकिन वर्तमान में हालात फिर ढीले पड़ते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि संभावित कार्रवाई की सूचना पहले ही लीक हो जाती हैए जिससे अवैध गतिविधियों में शामिल लोग बच निकलते हैं। शहर में सट्टे की बढ़ती सक्रियता ने कानून व्यवस्थाए सामाजिक सुरक्षा और युवाओं के भविष्य को लेकर गंभीर चिंता की स्थिति पैदा कर दी है।

गंदगी नौ साल में उजड़ गई चमक, जिम्मेदारियों पर उठे सवाल, कभी शहर की पहचान, अब उपेक्षा की मिसाल

करोड़ों के सौंदर्याकरण के बाद भी बदहाली में डूबा मोहनराम तालाब

विजय मत, शहडोल

जिला मुख्यालय शहडोल का मोहनराम तालाब, जिसे कभी शहर की शान और आकर्षण का केंद्र माना जाता था, आज बदहाली की मार झेल रहा है। करीब नौ साल पहले करोड़ों रुपये की लागत से इसका जीर्णोद्धार और सौंदर्याकरण कराया गया था। उस समय चमचमाते घाट, सजे-धजे बुर्ज, आकर्षक कुब्बारा और साफ-सुथरा परिसर लोगों को अपनी ओर खींचता था। लेकिन समय के साथ यह खूबसूरती महज कागजों और यादों तक सिमट कर रह गई है।

निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल

14 मई 2017 को सौंदर्याकरण कार्य पूर्ण होने के बाद इसका लोकार्पण तत्कालीन खनिज एवं वाणिज्य उद्योग मंत्री राजेंद्र शुक्ला द्वारा किया गया था। उस समय नगरपालिका अध्यक्ष प्रकाश जगवानी और कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं तत्कालीन विधायक प्रमिला सिंह सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। उस दौर में यह तालाब शहर की पहचान बन चुका था, लेकिन दो-तीन वर्षों के भीतर ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े होने लगे।

उखड़ती टाइल्स और टूटते पत्थर बयां कर रहे हकीकत

आज तालाब के घाटों की स्थिति अत्यंत दयनीय है। टाइल्स और पत्थर जगह-जगह से उखड़ चुके हैं। सीढ़ियों पर लगे पत्थर टूटकर बिखर गए हैं। कई स्थानों पर फर्श धंस चुका है, जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है। गेट के पास सीढ़ी चढ़ते समय रैलिंग के समीप दीवार टूटी हुई नजर आती है, जो कथित तौर पर मालवाहन वाहनों की टक्कर से क्षतिग्रस्त हुई है। तालाब का पानी भी अब साफ नहीं रहा। किनारों पर गंदगी और कचरे का अंबार दिखाई देता है। घाटों के पास खाली शराब की बोतलें, पाउच और अन्य अपशिष्ट सामग्री पड़ी रहती है, जिससे असामाजिक तत्वों की सक्रियता का अंदेशा साफ झलकता है। शाम ढलते ही यह स्थान असुरक्षित और उपेक्षित प्रतीत होने लगता है।

सफाई के नाम पर साल में एक बार औपचारिकता

नगरपालिका द्वारा नियमित देखरेख के अभाव में तालाब की स्थिति और बिगड़ती जा रही है। साल में केवल छठ पूजा के अवसर पर ही व्यापक सफाई अभियान चलाया जाता है। इसके अलावा सालभर तालाब अपने हाल पर छोड़ दिया जाता है। तालाब किनारे बनाया गया कुंड भी गंदगी से भरा पड़ा है। हालांकि शहर की कुछ समाजसेवी संस्थाएं समय-समय पर आगे आकर घाटों की सफाई करती हैं। साल में पांच से छह बार स्वयंसेवी संगठन श्रमदान के माध्यम से सफाई अभियान चलाते हैं, लेकिन स्थायी समाधान के अभाव में कुछ ही दिनों में स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है।

जनभागीदारी से बने तालाब पर प्रशासन की चुप्पी

मोहनराम तालाब का जीर्णोद्धार जनभागीदारी, निकाय निधि और खनिज प्रतिष्ठान मद से प्राप्त राशि से कराया गया था। उद्देश्य था शहर को एक स्वच्छ और सुंदर सार्वजनिक स्थल उपलब्ध कराना। लेकिन आज यह परियोजना लापरवाही और घटिया निर्माण का उदाहरण बनती जा रही है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि संरचना नौ साल भी नहीं टिक पाई, तो गुणवत्ता और निगरानी पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं की गई, तो यह तालाब पूरी तरह खंडहर में तब्दील हो जाएगा।

भारत-पाक महामुकाबला आज, विवादों के यू-टर्न के बाद अब मैदान पर असली जंग

मुम्बई,एजेंसी

कोलंबो (ईएमएस)। क्रिकेट और सियासत के घालमेल से पैदा हुए गतिरोध के अस्थायी समाधान के बाद आखिरकार टी20 विश्व कप 2026 का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला आज होने जा रहा है, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। पाकिस्तान ने पहले मैच के बहिष्कार का फैसला लिया था, लेकिन बाद में अचानक यू-टर्न लेकर आर. प्रेमदासा स्टेडियम में मुकाबला खेलने पर सहमति दे दी। इस निर्णय के पीछे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद, श्रीलंका क्रिकेट और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की कई दौर की बातचीत रही, क्योंकि दक्षिण एशिया ही नहीं, बल्कि पूरे क्रिकेट जगत की निगाहें इस मुकाबले पर टिकी हैं। प्रसारक, प्रायोजक और दुनिया भर के दर्शक इस मैच को टूर्नामेंट की सबसे बड़ी धड़कन मानते हैं।

विवाद की शुरुआत तब हुई जब बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान का कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ आईपीएल करार रद्द कर दिया गया। बांग्लादेश के समर्थन में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच न खेलने की घोषणा कर दी थी। हालांकि खिलाड़ियों ने इसे ÷सिर्फ एक मैच÷ बताकर हाइप कम करने की कोशिश की, मगर भारत-पाक प्रतिद्वंद्विता ऐसी है कि हार किसी भी टीम को मंजूर नहीं क्योंकि उसके बाद प्रशंसकों की प्रतिक्रिया भी उतनी ही तीखी होती है।

भारतीय टीम की चिंता सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की उपलब्धता है, जो पेट संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती रहे और नामीबिया मैच में नहीं खेले। उनके नहीं खेलने पर संजू सैमसन को उतारने या फिर ईशान किशन के साथ वॉशिंगटन सुंदर को ओपनिंग में भेजने का विकल्प है, जो न केवल फिट हो चुके हैं, बल्कि प्रेमदासा की धीमी पिच पर उपयोगी स्पिनर भी साबित हो सकते हैं। इसके अलावा पिच को देखते हुए कुलदीप यादव को शामिल किया जा सकता है खासकर बाबर आज़म के खिलाफ उनके सफल रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए। ऐसे में रिंकू सिंह को बाहर रहना पड़ सकता है।

विश्व कप से पहले मजबूत दिख रही भारतीय बल्लेबाजी शुरुआती दो मैचों में कुछ अस्थिर दिखी है। अमेरिका के खिलाफ 77 पर छह विकेट गिरना और नामीबिया के खिलाफ डैथ ओवरों में पांच विकेट गंवाना टीम की कमजोरी उजागर करता है, हालांकि दोनों मैच भारत ने बड़े अंतर से जीते। सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन और हार्दिक पांड्या मुश्किल हालात में टीम को निकालते रहे हैं, लेकिन बड़े मैच में सामूहिक प्रदर्शन ही जीत की कुंजी है। पाकिस्तान को कोलंबो की पिचों की बेहतर जानकारी है, क्योंकि उसके मैच यहीं खेले जा रहे हैं। स्पिनर उस्मान तारिक, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज भारत के बल्लेबाजों की सख्त परीक्षा लेंगे। वहीं बल्लेबाजी में साहिबजादा फरहान, सईम अयूब और फहीम अशरफ पर जिम्मेदारी होगी। हालांकि पाकिस्तान अब तक ऐसे मजबूत गेंदबाजी आक्रमण से नहीं भिड़ा, जैसा भारत के पास है जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे सभी मैच-विनर हैं। आखिर में यह मुकाबला केवल कौशल का नहीं, बल्कि दबाव को संभालने की क्षमता का होगा।

टीमें इस प्रकार हैं

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा,वरूण चक्र वर्ती।

पाकिस्तानः सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

समयः मैच शाम 7 बजे शुरू होगा।

आईपीएल के नये सत्र मे पराग की कप्तानी में उतरेगी रॉयल्स

मुम्बई। आईपीएल 2026 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की टीम युवा ऑलराउंडर रियान पराग की कप्तानी में उतरेगी। पराग ने पिछले सत्र में भी कई मैचों में कप्तानी की थी। ऐसे में वह इसबार कप्तानी के प्रबल दावेदार थे। वहीं पिछले सत्र में कप्तान रहे संजू सैमसन इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलेंगे। सैमसन के जाने के बाद टीम प्रबंधन ने भविष्य की योजनाओं को देखते हुए पराग पर भरोस जताया है। राजस्थान रॉयल्स में सैमसन एक दशक से शामिल थे । वह एक युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ से टीम के कप्तान बने थे पर पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसके बाद वह फिटनेस की परेशानी से भी जूझ रहे थे। पिछले सत्र में 14 मुकाबलों में टीम को केवल चार में जीत मिली थी और वह अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। इस सत्र के बाद ही सैमसन और टीम प्रबंधन में मतभेद आ गये थे और तभी से पता चल गया था कि वह बदलाव के लिए तैयार हैं।इसके बाद सैमसन सीएसके में चले गये।

प्रेमदासा की पिच पर 'मिस्ट्री स्पिनरों' का दबदबा तय

वरुण चक्रवर्ती और उसमान तारिक पर है सभी की नजरें

कोलंबो, एजेंसी

टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे के बीच प्रेमदासा स्टेडियम में हुए हालिया मुकाबले ने भारत और पाकिस्तान के 'मिस्ट्री स्पिनरों' के हौसले बुलंद कर दिए हैं। जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने इस मैच में धीमी गेंदों का शानदार इस्तेमाल करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया।

पिच पर गेंद धीमी रहने और बल्लेबाज़ों को परेशान करने वाली उछाल ने रविवार को होने वाले भारत-पाकिस्तान मुकाबले का रोमांच और बढ़ा दिया है। ऐसे में यह अंदाज़ा लगाना मुश्किल नहीं कि भारत के वरुण चक्रवर्ती और पाकिस्तान के अबरार अहमद तथा उसमान तारिक इस पिच पर कितना प्रभाव छोड़ सकते हैं।

वरुण चक्रवर्ती की गेंदबाज़ी पिछले साल आईपीएल के दौरान काफी निखरी है। उनकी 'साइडस्पिन' से 'ओवरस्पिन' में बदलाव और औसतन 95 किमी प्रति घंटे की रफ्तार उन्हें अन्य स्पिनरों से अलग बनाती है। हालांकि प्रेमदासा की यह धीमी पिच उन्हें अपनी गति कम करने के लिए मजबूर कर सकती है। भारत के पूर्व स्पिनर सुनील जोशी का कहना है कि चक्रवर्ती की सबसे बड़ी ताकत उनकी लेंथ है।

टेनिस स्पर्धा के लिए मध्य प्रदेश की टीमें घोषित

इंदौर । देहरादून (उत्तराखंड) में आगामी 22 फरवरी से 02 मार्च 2026 तक आयोजित होने वाली यूटीटी 87वीं राष्ट्रीय जूनियर एवं यूथ टेबल टेनिस स्पर्धा के लिए मध्य प्रदेश की टीमों की घोषणा कर दी गई है। मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन की चयन समिति ने खिलाड़ियों के राज्य रैंकिंग स्पर्धाओं और राज्य स्पर्धा में प्रदर्शन के आधार पर चयन किया है।

घोषित टीमें इस प्रकार हैं

- यूथ बालक वर्ग (19 वर्ष) = मृदुल जोशी, अबू बकर, लक्ष्य ओझा, शौर्य भागिया (सभी इंदौर)। यूथ बालक वर्ग (17 वर्ष) मृदुल जोशी, अबू बकर, लक्ष्य ओझा, रिदम गड़िया (सभी इंदौर)। यूथ बालिका वर्ग (19 वर्ष) परमी नागदेवे (भोपाल), अद्विका अग्रवाल।

पैरा तैराक सतेंद्र ने कुक स्ट्रेट पार कर इतिहास रचा, सीएम ने दी बधाई

भोपाल। लोहिया को 2014 में मध्य प्रदेश के सबसे बड़े राज्य-स्तरीय खेल सम्मान, विक्रम अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था। 2021 में, उन्हें बेस्ट स्पोर्ट्सपर्सन का नेशनल अवॉर्ड मिला। खेलों में उनके योगदान के लिए, उन्हें 2024 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

मध्य प्रदेश के इंटरनेशनल पैरा स्विमर सतेंद्र सिंह लोहिया ने दुनिया के सबसे मुश्किल ओपन-वॉटर समुद्री चैनलों में से एक, न्यूजीलैंड के कुक स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार करके इतिहास रच दिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गुरुवार को उन्हें इस कामयाबी पर बधाई देते हुए कहा कि इस कामयाबी के साथ, पद्म श्री अवॉर्डी (2024) लोहिया कुक स्ट्रेट को पार करने वाले एशिया के पहले पैरा स्विमर बन गए हैं।

अपनी खुशी जाहिर करते हुए, मुख्यमंत्री ने इस कामयाबी को देश और मध्य प्रदेश दोनों के लिए गर्व का पल बताया। यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पद्म श्री और तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर

अवॉर्डी, मध्य प्रदेश के इंटरनेशनल पैरा स्विमर सतेंद्र सिंह लोहिया ने दुनिया के सबसे मुश्किल समुद्री चैनलों में से एक, न्यूजीलैंड के कुक स्ट्रेट को कामयाबी से पार करके इतिहास रच दिया है।उन्होंने आगे कहा, मैं इस अनोखी कामयाबी के लिए उन्हें दिल से बधाई देता हूं। देश और मध्य प्रदेश के लिए यह गर्व का पल उनके जबरदस्त जज्बे और पक्के इरादे को दिखाता है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।

38 साल के पैरा स्विमर, जिनके दोनों पैरों में चलने-फिरने की क्षमता कम है, ने अपने करियर में कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उनमें से एक है मुंबई में 33 किलोमीटर का स्विम सर्किट 5 घंटे 42 मिनट में पूरा करना। मध्य प्रदेश के ग्वालियर-चंबल डिवीजन के भिंड जिले के गाटा गांव के रहने वाले लोहिया ने इससे पहले 2018 में एक टीम के साथ 36 किलोमीटर का इंग्लिश चैनल पार करके इतिहास रचा था।

2024 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया

2019 में, उन्होंने यूनाइटेड स्टेट्स में कैटालिना चैनल पूरा किया। उन्होंने इंग्लिश चैनल की तैराकी 12 घंटे और 26 मिनट में पूरी की। अपनी उपलब्धियों के लिए, उन्हें 2020 में तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्ड मिला और उन्होंने कहा कि वह यह सम्मान पाने वाले पहले पैरा-एथलीट थे।

लोहिया को 2014 में मध्य प्रदेश के सबसे बड़े राज्य-स्तरीय खेल सम्मान, विक्रम अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था। 2021 में, उन्हें बेस्ट स्पोर्ट्सपर्सन का नेशनल अवॉर्ड मिला। खेलों में उनके योगदान के लिए, उन्हें 2024 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

प्रमोद भगत ने रचा नया इतिहास, मनामा में जीता करियर का छठा विश्व खिताब

नई दिल्ली। भारत के स्टार पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने मनामा में आयोजित प्रतिष्ठित बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप में एक बार फिर कमाल करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया और इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया। 37 वर्षीय भगत ने पुरुष एकल एसएल3 वर्ग के फाइनल में इंडोनेशिया के मोहम्मद अल इमरान को 21-12, 21-18 से हराकर लगातार चौथा और कुल छठा विश्व खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ वह पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे सफल एकल खिलाड़ी बन गए हैं। एसएल3 वर्ग में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिनके निचले अंगों में गंभीर विकलांगता होती है। प्रमोद भगत पांच वर्ष की उम्र में पोलियो से प्रभावित हुए थे, लेकिन उन्होंने इस कमजोरी को अपनी ताकत में बदलकर विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई। 2009, 2015, 2019, 2022 और 2024 में पहले ही स्वर्ण जीत चुके भगत का यह नया खिताब उनकी अदम्य इच्छाशक्ति और खेल के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

यह जीत इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि प्रमोद हाल ही में डोपिंग रोधी नियमों के 'वेयरअबाउट्स' उल्लंघन के कारण 18 महीने के निलंबन से लौटे हैं। इस निलंबन की वजह से वह 2024 पेरिस पैरालंपिक में हिस्सा नहीं ले पाए थे, लेकिन वापसी के बाद उन्होंने साबित कर दिया कि कठिन परिस्थितियाँ भी उनके जज्बे को कमजोर नहीं कर सकतीं। फाइनल मुकाबले में प्रमोद ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा।

व्यापार

सोमवार से शेयर बाजार में बड़ी कंपनियां होंगी लिस्ट, दो नए आईपीओ भी खुलेंगे

मुंबई,एजेंसी

सोमवार से शेयर बाजार में आईपीओ का अच्छा माहौल होने वाला है। कुछ बड़ी कंपनियां लिस्ट होने वाली हैं और दो नई आईपीओ खुलने वाले हैं। ये आईपीओ एआई, फाइनेंस, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर और सप्लाई चेन जैसे सेक्टर में हैं, जो निवेशकों को कमाई का मौका दे सकती हैं। बाजार में इस हफ्ते ज्यादा आईपीओ तो नहीं आ रहे हैं, लेकिन लिस्टिंग और नए इश्यू से हलचल रहेगी। बता दें 16 फरवरी को दो बड़ी कंपनियां एनएसई और बीएसई पर लिस्ट होंगी। पहली है फैक्टल एनालिटिक्स, जो डेटा और एआई सॉल्यूशंस में लीडर है। इसका आईपीओ 2833.90 करोड़ रुपए का था और ये फैक्टल, एआई और फैक्टल अल्फा ब्रांड्स के तहत काम करती है। सब्सक्रिप्शन 2.66 गुना हुआ, मतलब अच्छी मांग रही।

वहीं दूसरी कंपनी है आय फाइनेंस, जो मिडिल लेयर एनबीएफसी है और माइक्रो तथा स्मॉल बिजनेस को लोन देती है। इसका आईपीओ 1010 करोड़ का था और सब्सक्रिप्शन 97 फीसदी रहा। दोनों में निवेशकों की मजबूत दिलचस्पी दिखी। इसके अलावा 19 फरवरी को मारुशिका टेक्नोलॉजी एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होने जा रही है। नई आईपीओ की शुरुआत भी हो रही है। फैक्टल इंडस्ट्रीज का आईपीओ 16 से 18 फरवरी तक खुलेगा। ये बीएसई एसएमई पर लिस्ट होगी। इश्यू साइज 49 करोड़ रुपए का फ्रेश इश्यू है1 प्राइस बैंड 205 से 216 रुपये प्रति शेयर है। लॉट साइज 600 शेयर है, मतलब रिटेल निवेशक के लिए कम से कम 1200 शेयर।

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव

भारतीय शेयर बाजार ने शुरु वार तक समाप्त हुए सप्ताह में मिश्रित रुझान दिखाया। सप्ताह की शुरुआत में सकारात्मक आर्थिक संकेत और भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौतों की उम्मीद से निवेशकों का मनोबल ऊंचा रहा, लेकिन सप्ताह के अंत तक वैश्विक कमजोर संकेतों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी संभावित व्यवधानों की चिंताओं के कारण बाजार ने गिरावट दर्ज की। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। विदेशी निधियों के प्रवाह और एशियाई बाजारों की मजबूती ने निवेशकों के मनोबल को बढ़ाया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 415.97 अंक बढ़कर 83,996.37 पर पहुंचा, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.05 अंक बढ़कर 25,819.75 पर पहुंच गया। दिन के अंत में सेंसेक्स 485.35 अंक की बढ़त के साथ 84,065.75 पर और निफ्टी 173.60 अंक की बढ़त के साथ 25,867.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी बाजार की गति बनी रही। एशियाई बाजारों के सकारात्मक रुझान मिला।

फेसबुक इंडिया का 2024-25 का लाभ बढ़कर 647 करोड़ हुआ

नई दिल्ली। फेसबुक इंडिया ने मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में एकल आधार पर लगभग 647.45 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 28 प्रतिशत अधिक है। टोफलर ने कंपनी द्वारा शेयर बाजार को दी सूचना के आधार पर यह जानकारी दी। फेसबुक इंडिया ने एक साल पहले 504.93 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। इस दौरान उसका परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 3,792.91 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी का कुल खर्च 2,881 करोड़ रुपये बताया गया है। मेटा के स्वामित्व वाली फेसबुक इंडिया ऑनलाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड का कर्मचारी खर्च समीक्षाधीन अवधि में 36 प्रतिशत बढ़कर 648.57 करोड़ रुपये हो गया।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 अरब डॉलर घटा, स्वर्ण भंडार में भी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी ताज़ा आंकड़ों के अनुसार 6 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 अरब डॉलर घटकर 717.064 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले यह 723.774 अरब डॉलर पर था, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर था। विशेषज्ञों के अनुसार यह गिरावट वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के कारण एक सामान्य करेक्शन मानी जा रही है। सबसे बड़ी चर्चा गोल्ड रिजर्व में हुई गिरावट को लेकर है।

पिछले सप्ताह जहां सोने के भंडार में 14.595 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी, वहीं इस सप्ताह यह 14.208 अरब डॉलर घटकर 123.476 अरब डॉलर पर आ गया। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक सोने की कीमतों में बदलाव और आरबीआई की रणनीतिक

खरीद-बिक्री इसका मुख्य कारण हैं। यह 2 जनवरी के बाद पहली बार इतनी बड़ी गिरावट है।

वृद्धि दर्ज की गई

वहीं फॉरेन करेंसी असेट्स (एफसीए) में इस सप्ताह 7.661 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई, जो इसे 570.053 अरब डॉलर पर ले गई। एफसीए में यूरो, पाउंड और येन जैसी मुद्राओं के मूल्य परिवर्तन का असर देखा गया। पिछले चार हफ्तों में कुल 36.97 अरब डॉलर की बढ़ोतरी भी रही, जिसे व्यापारिक सौदों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जोड़कर देखा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की स्थिति और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में भी मामूली कमी दर्ज की गई है। एसडीआर 132 मिलियन डॉलर और आईएमएफ स्थिति 32 मिलियन डॉलर घट गई।

भारतीय आईटी सेक्टर को फरवरी में भारी झटका, निवेशक चिंतित

नई दिल्ली । भारतीय शेयर बाजार के भरोसेमंद माने जाने वाले आईटी सेक्टर के लिए फरवरी कोई अच्छा महीना नहीं रहा। मात्र 13 कारोबारी दिनों में आईटी कंपनियों की मार्केट कैप में लगभग 50 अरब डालर (4.5 लाख करोड़) की गिरावट दर्ज हुई। शुक्रवार को समाप्त हुए सप्ताह में निफ्टी आईटी इंडेक्स 8.2 फीसदी टूट गया, जो अप्रैल 2025 के बाद की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट है। इस दौरान टीसीएस, इंफोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में क्रमशः 2.1 फीसदी, 1.2 फीसदी और 1.4 फीसदी की गिरावट आई। पिछले महीने एंथ्रोपिक ने नया एआई टूल लॉन्च किया, जिसने वैश्विक टेक जगत में हलचल मचा दी। निवेशकों का डर है कि जेनरेटिव एआई भारत की 283 अरब डॉलर की आईटी सर्विस इंडस्ट्री के पारंपरिक बिजनेस मॉडल को प्रभावित कर सकता है। कोडिंग और टेस्टिंग जैसी बुनियादी सेवाओं के ऑटोमेशन से कंपनियों की आमदनी पर असर पड़ने की संभावना है। जेपी मोरगन ने चेतावनी दी कि ग्लोबल क्लाइंट्स अब आईटी बजट का पुनर्वितरण कर सकते हैं और पारंपरिक सॉफ्टवेयर सेवाओं से हटकर एआई-आधारित समाधानों की ओर ध्यान देंगे।

अडानी की झोली में आई 2 रुपये के शेयर वाली कंपनी

मुंबई । कभी देश की दिग्गज इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में गिनी जाने वाली पुंज लॉयड के अधिग्रहण को लेकर बड़ी खबर आई है। दरअसल, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने कंपनी को लिक्विडेशन के दौरान गोइंग कंसर्न के रूप में बेचने को मंजूरी दे दी है। एनसीएलटी ने साफ किया है कि कंपनी को मौजूदा हालत में ही लिया जाएगा।दरअसल हाल ही में दिल्ली के नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की प्रिंसिपल बेंच ने आदेश पारित करते हुए कहा कि पुंज लॉयड का अधिग्रहण अडानी इंफ्रा (इंडिया) लिमिटेड ने किया।

बाजार - फरवरी में सऊदी सप्लाई बढ़ी, हर दिन भेजा 11.3 लाख बैरल क्रूड

भारत में सऊदी तेल आयात में तेजी, रूस पर निर्भरता घटने लगी

नई दिल्ली,एजेंसी

वैश्विक शिप ट्रैकिंग फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के पहले 10 दिनों में भारत ने सऊदी अरब से औसतन 11.3 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) कच्चा तेल आयात किया। वहीं रूस से सप्लाई 10.9 लाख बीपीडी रही। यह करीब एक साल बाद सऊदी अरब की सप्लाई 10 लाख बीपीडी के पार जाने का संकेत है। जनवरी में भारत ने रूस से 11.4 लाख बीपीडी, इराक से 10.3 लाख बीपीडी और सऊदी अरब से केवल 7.74 लाख बीपीडी* तेल आयात किया था। विशेषज्ञों के अनुसार फरवरी की शुरुआत में ही सऊदी की सप्लाई बढ़ने और रूस की सप्लाई घटने की प्रवृत्ति देखने को मिल रही है। हाल ही में अमेरिका ने भारत पर प्रस्तावित रेसिप्रोकल टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया और रूस से तेल खरीद पर अतिरिक्त शुल्क हटा दिया। इससे भारत को रूस पर निर्भरता धीरे-धीरे कम करने का अवसर मिला। भारत अपनी कुल तेल जरूरतों का लगभग 90 फीसदी आयात करता है और यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल खरीदार है। देश की रिफाइनिंग क्षमता 258 मिलियन टन प्रति वर्ष है, जो 2030 तक 309 मिलियन टन से अधिक होने की उम्मीद है।

सऊदी अरब ने अपने तेल की कीमतों को ओमान और दुबई ग्रेड के बराबर कर दिया, ट्रांसपोर्ट लागत कम हुई और पश्चिम एशिया से डिलीवरी सिर्फ तीन दिन में हो

रही है। इसके अलावा, सऊदी के पास अतिरिक्त उत्पादन क्षमता है, जिससे जरूरत पड़ने पर तेजी से सप्लाई बढ़ाई जा सकती है। भू-राजनीतिक दबाव और अमेरिकी प्रतिबंधों के बीच भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए सप्लाई स्रोतों में विविधता ला रहा है। शुरुआती संकेत बताते हैं कि आने वाले महीनों में भारत के तेल आयात मानचित्र में और बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों को दी महाशिवरात्रि की शुभकामनाएँ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने समस्त प्रदेशवासियों को पावन पर्व महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी है। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि का यह पवित्र पर्व भगवान शिव की आराधना, तप, संयम और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक है। यह उत्सव हमें सत्य, करुणा और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बाबा महाकाल से सभी नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की है। उन्होंने कामना की है कि यह पावन पर्व प्रदेश में खुशहाली, उन्नति और सकारात्मक ऊर्जा लेकर आए।

एम.पी. ट्रांस्को मुरैना सब स्टेशन में हुआ जीवन रक्षक सी.पी.आर. प्रशिक्षण शिविर

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) एवं रेड क्रॉस सोसायटी व स्थानीय जिला चिकित्सालयों ,मेडिकल कॉलेजों के सहयोग से मध्यप्रदेश में एम.पी. ट्रांसको के जिला मुख्यालयों में स्थित ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस उपसंभागों, सबस्टेशनों आदि में "सी.पी.आर. एवं अन्य ऐसे ही जीवन रक्षक तकनीकों" पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में एक प्रशिक्षण कार्यशाला एम.पी. ट्रांसको एवं शासकीय जिला चिकित्सालय, मुरैना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। मुरैना स्थित 220 के.व्ही. सब स्टेशन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यशाला के संयोजक ग्वालियर के अधीक्षण अभियंता राजीव तोतला एवं कार्यपालन अभियंता सी.के. जैन ने कहा कि "ट्रांस्को के प्रशिक्षित व्यक्तियों में से अपने जीवन काल में यदि कोई कर्मी किसी एक भी व्यक्ति की जान बचाने में सफल होता है तो कंपनी के लिये प्रशिक्षण का यह उद्देश्य पूर्णतः सफल होगा। इस उपयोगी कार्यशाला में कंपनी के नियमित व आउटसोर्स कार्मिकों ने बडी संख्या में सहभागिता की।

डॉ. व्यास ने दिया प्रशिक्षण

मुरैना के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल व्यास एवं उनकी टीम ने सी.पी.आर. प्रशिक्षण के लिये उपयोग किये जाने वाले मानव पुतले एवं कुछ वीडियो की सहायता से सी.पी.आर. तकनीक का विस्तृत प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि प्रत्येक प्रतिभागी विषय विशेषज्ञ की निगरानी में मानव पुतले पर सी.पी.आर. तकनीक का अभ्यास करें।

नवागत आयुक्त जनसंपर्क मनीष सिंह ने कार्यभार ग्रहण किया

भोपाल। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी मनीष सिंह ने शनिवार को आयुक्त जनसंपर्क एवं प्रबंध संचालक, म.प्र. माध्यम के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। वे परिवहन सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। आयुक्त जनसंपर्क और प्रबंध संचालक माध्यम ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक प्रभावी रूप से पहुँचाना विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस दिशा में समन्वित प्रयास सुनिश्चित किए जाएंगे। आयुक्त जनसंपर्क और प्रबंध संचालक माध्यम सिंह ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की।

रेडक्रॉस की नवगठित प्रबंधन समिति के साथ बैठक, मरीज सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने पर जोर

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने शुक्रवार को लोक भवन के जवाहर खण्ड में रेडक्रॉस सोसायटी, मध्यप्रदेश शाखा की नवगठित प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ महत्वपूर्ण चर्चा की। उन्होंने समिति के नए सदस्यों को सेवा, समर्पण और संकल्प के साथ कार्य करने की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि रेडक्रॉस का कार्य समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे पूरी निष्ठा से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। बैठक में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, विधि अधिकारी उमेश श्रीवास्तव, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी अरविन्द पुरोहित, रेडक्रॉस के चेयरमैन डॉ. श्याम सिंह कुमरे, आईएएस, (से.नि.), जनरल सेक्रेटरी रामेन्द्र सिंह सहित प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में डॉ. श्याम सिंह कुमरे ने राज्यपाल को रेडक्रॉस अस्पताल के प्रबंधन, ओपीडी संचालन, माहवार मरीजों की संख्या, विभिन्न जांचों की व्यवस्था, आयङ्कव्यय और अन्य सेवाओं की अद्यतन जानकारी दी। राज्यपाल ने निर्देश दिए कि मरीजों के इलाज और आवश्यक जांचों की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मरीजों की देखभाल से जुड़ी सभी व्यवस्थाएँ हमेशा मजबूत और सक्रिय रहनी चाहिए। डॉ. कुमरे ने बताया कि राज्यपाल मंगुभाई पटेल के मार्गदर्शन में रेडक्रॉस सोसायटी को नई ऊर्जा, दिशा और गति मिली है। उनके नेतृत्व में संगठन ने दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों तक पहुँचकर सेवा कार्यों का व्यापक विस्तार किया है, जिससे समाज के वंचित और जरूरतमंद लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है।

राजस्व वसूली शिविरों में करदाताओं ने निगम कोष में जमा कराई 01 करोड़ 81 लाख रूपये से अधिक की राशि

भोपाल। नगर निगम द्वारा संपत्तिकर, जल उपभोक्ता प्रभार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रभार सहित अन्य करों/शुल्कों की वसूली प्रभावी ढंग से की जा रही है साथ ही करदाताओं को करो की अदायगी में सुगमता के दृष्टिगत अवकाश के दिनों में करदाताओं के निवास के निकट ही राजस्व वसूली शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में शनिवार को निगम द्वारा समस्त 85 वार्ड कार्यालयों सहित 167 स्थानों पर राजस्व वसूली शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें करदाताओं ने समाचार लिखे जाने तक 01 करोड़ 81 लाख 37 हजार रूपये से अधिक की राशि निगम कोष में जमा कराई।

आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में हर नागरिक की सहभागिता करेंगे सुनिश्चित

बुरहानपुर में एग्रीकल्चर बेस्ड रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव : मुख्यमंत्री मोहन

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश का चहुंमुखी विकास ही सरकार का एकमात्र लक्ष्य है। आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में हर नागरिक की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सबको साथ और विश्वास में लेकर हम ऐसे नये मध्यप्रदेश का निर्माण करेंगे, जहां विकास केवल अवसर नहीं, यहां के हरेक नागरिक का अधिकार होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को बुरहानपुर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से 696 करोड़ 37 लाख रुपये लागत के 80 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण कर बुरहानपुर जिले के समग्र विकास को नई गति दी। उन्होंने कहा कि आज जिन कार्यों की सौगातें मिली हैं, ये जिले को आधुनिक, विकसित और आत्मनिर्भर बनाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुरहानपुर में नर्मदेश्वर अखंड शिवलिंग की पूजा-अर्चना की।

हमारा प्रण, विकास का प्रकाश पहुंचे प्रदेश के हर कोने तक: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। विकास का प्रकाश प्रदेश के हर कोने, हर गली-मोहल्ले तक पहुंचे, इसी मूल संकल्प के साथ हमारी सरकार सबको साथ और विश्वास में लेकर आगे बढ़ रही है। सरकार अधोसंरचनात्मक और जनकल्याणकारी कार्यों को प्राथमिकता देकर प्रदेश के विकास की गति में निरंतर तेज़ी ला

रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुरहानपुर का विकास हमारी प्राथमिकता में है। हमने इस जिले को विकसित और समृद्ध बनाने का संकल्प लिया है, जिले की जनता की भागीदारी से हम इसे सिद्ध करेंगे, आने वाला समय इसका साक्षी बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुरहानपुर के नेहरू स्टेडियम में दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कृषि, उद्यानिकी एवं अन्य विभागों की 2 वर्ष की उपलब्धियों और भावी विकास योजनाओं पर आधारित विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ कर विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन भी किया।

ताप्ती ग्राउंड वॉटर मेगा रिचार्ज परियोजना से लहलहाएगी बुरहानपुर की धरती: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां ताप्ती और नर्मदा मैया के आशीर्वाद से मालवा-निमाड़ का पूरा क्षेत्र आनंदित है। प्रदेश में सरदार सरोवर जैसे बांध बनाने की श्रृंखला शुरू हुई है। हमारे किसान ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुरहानपुर में मिनी एयरपोर्ट बनाने की घोषणा की। उन्होंने बुरहानपुर में केला उत्पादक किसानों के हित में वैल्यू एडिशन, भण्डारण एवं प्रसंस्करण के लिए इकाई स्थापित करने, बुरहानपुर में कृषि आधारित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में नगर परिषद शाहपुर को परीक्षण उपरांत नगर पालिका का दर्जा दिया जाएगा। बुरहानपुर में वारकरी समुदाय का कीर्तन केंद्र बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हॉर्टीकल्चर सब्जेक्ट अब प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में पढ़ाया जाएगा। उन्होंने खामनी से दही हांडी तक खामनी से रायगांव एवं शाहपुर से सुखपुरी तक सड़क बनाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुरहानपुर में युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रारंभ किए जाएंगे। राज्य सरकार बुरहानपुर सहकारी सूत मिल श्रमिकों के बकाया भुगतान कराएगी और यहां नए उद्योग-धंधे भी स्थापित करेगी।

'बुनकरों का शहर' है बुरहानपुर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम आज ही लाड़ली बहना योजना की 33वीं किश्त प्रदेश की सवा करोड़ से अधिक बहनों के खाते में अंतरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि से लेकर कपड़ा निर्माण तक, दवा से लेकर फर्नीचर उद्योग तक, पाइप निर्माण से लेकर कृषि उपकरण निर्माण तक बुरहानपुर का जवाब नहीं। यह जिला पावरलूम उद्योग का प्रमुख केन्द्र है और कपड़ा उत्पादन के कारण 'बुनकरों के शहर' के रूप में बुरहानपुर के नाम से विख्यात है। उन्होंने कहा कि कपड़ा उद्योग की बढ़ती मांग के कारण यहां कपास की खेती भी बड़े पैमाने पर की जाती है। यह खेती किसानों की आय बढ़ाने के साथ उद्योगों को भी मजबूती देती है।

मप्र में अब प्रापर्टी खरीदना होगा महंगा

राजस्व और पंजीयन विभाग ने की 74 हजार लोकेशन की नई गाइडलाइन तैयार

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में नए वित्त वर्ष की शुरुआत के साथ ही लोगों के लिए जमीन और मकान खरीदना भी मंहगा होने जा रहा है। राजस्व और पंजीयन विभाग ने प्रदेश के करीब 74 हजार लोकेशन का विस्तृत सर्वे पूरा कर नई कलेक्टर गाइडलाइन का मसौदा तैयार कर लिया है। यह गाइडलाइन 1 अप्रैल 2026 से लागू की जाएगी। हालांकि अब इस प्रस्ताव को पहले उप जिला मूल्यांकन समिति, फिर जिला मूल्यांकन समिति में चर्चा के बाद केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजा जाएगा। वहां से अंतिम स्वीकृति मिलते ही नई दरें प्रभावी हो जाएंगी। इस बार कलेक्टर गाइडलाइन के तहत दर निर्धारण की प्रक्रिया पारंपरिक तरीके से बिलकुल अलग और हाईटेक बनाई गई है। पंजीयन विभाग ने पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सैटेलाइट इमेजरी का सहारा लिया है। एमपी इलेक्ट्रानिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के सहयोग से जिलों की एक साल पुरानी और वर्तमान सैटेलाइट तस्वीरों का विश्लेषण किया गया। इससे यह स्पष्ट हुआ कि बीते एक वर्ष में किन क्षेत्रों में नया विकास हुआ है। सैटेलाइट इमेज के जरिए यह चिह्नित किया गया कि जहां पहले खाली जमीन थी, वहां अब प्लाटिंग, कॉलोनी, सडक़ या व्यावसायिक निर्माण तो नहीं हो गया। जिन स्थानों पर तेजी से विकास हुआ है।

डायवर्सन के डेटा का किया गया व्यापक विश्लेषण

नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग से कृषि भूमि के आवासीय और व्यावसायिक उपयोग में हुए डायवर्सन का डेटा लिया गया है। जिन क्षेत्रों में कृषि भूमि का स्वरूप बदल चुका है और विकास कार्य शुरू हो गए हैं, वहां अब कृषि दरों के बजाय प्लाट के अनुरूप दरें तय की जाएंगी। कृषि विभाग से भी भूमि उपयोग से जुड़ी जानकारी लेकर क्रास वेरिफिकेशन किया गया है।

महाशिवरात्रि पर पशुपतिनाथ मंदिर में भव्य जलाभिषेक 15 को

गंगाजली कलश यात्रा, स्वास्थ्य शिविर और विशाल भंडारे का होगा आयोजन

विजय मत, भोपाल

श्री पशुपतिनाथ मंदिर में 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर भव्य जलाभिषेक और विविध धार्मिक आयोजन होंगे। पशुपतिनाथ नेपाली समाज द्वारा इस वर्ष 48वां महाशिवरात्रि पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। समाज के अध्यक्ष लोकमणी घिमिरे ने बताया कि दोपहर 12 बजे गंगाजली कलश यात्रा से लाए गए पवित्र जल से भगवान पशुपतिनाथ का अभिषेक किया जाएगा। पर्व के तहत 13 फरवरी को गणेश पूजन और 14 फरवरी को गंगाजली कलश पूजन एवं आरती आयोजित होगी। 15 फरवरी की सुबह 8:30 बजे राम मंदिर, बरखेड़ा से गंगाजली कलश यात्रा प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए मंदिर पहुंचेगी, जहां जलाभिषेक संपन्न होगा। यात्रा में साधु-संत, विशिष्टजन और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। आयोजन के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 'प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ' अभियान चलाया जाएगा। 15

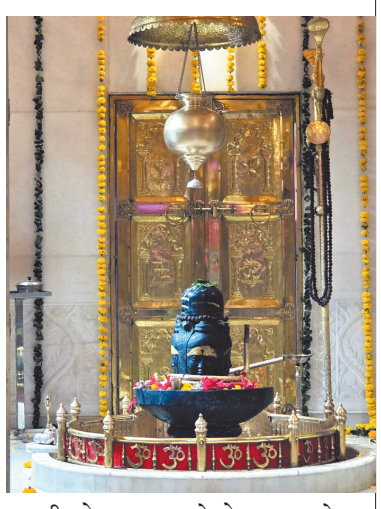

फरवरी को सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक मंदिर परिसर में निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर भी लगाया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सक सेवाएं देंगे। समाज ने 16 फरवरी को दोपहर 12 से 4 बजे तक विशाल भंडारे का आयोजन रखा है।

दिन में गर्मी, रात में ठंड से बिगड़ती तबीयत

रोजाना अस्पताल पहुंच रहे सैकड़ों मरीज

विजय मत, भोपाल

मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर अब लोगों की सेहत पर साफ दिखाई देने लगा है। दिन में तेज धूप और गर्मी बढ़ी जबकि रात में ठंडक के कारण शरीर का संतुलन बिगड़ रहा है। इसका सीधा असर वायरल फीवर के रूप में सामने आ रहा है। एमवाय अस्पताल में ही एक दिन में करीब एक हजार मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। शहर के शासकीय और निजी अस्पतालों में बुखार, सर्दी-खांसी, गले में खराश और बदन दर्द की शिकायत लेकर आने वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। डॉक्टरों का कहना है कि इस समय मौसम का उतार-चढ़ाव संक्रमण के लिए अनुकूल माहौल बना रहा है। दिन में पसीना और रात में ठंडी हवा चलने से लोग जल्दी बीमार पड़ रहे हैं। खासतौर पर वे लोग ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं, जो देर रात तक बाहर रहते हैं या ठंड-गर्मी के बीच लापरवाही बरतते हैं। चिकित्सकों का कहना है कि वायरल फीवर, शरीर एवं जोड़ों का दर्द, भूख कम होना।

इसमें सामान्य मरीज जो जल्दी ठीक हो जाते हैं, लेकिन बीपी, किडनी, कैंसर, हृदय रोग, शुगर,

गर्भवती महिलाओं, अस्थमा मरीजों को इंफेक्शन की वजह से अस्पताल में भर्ती करना पड़ता है। ये हाई रिस्क मरीज हैं।

शादी समारोह के कारण इन दिनों वायरल फीवर ज्यादा बढ़ रहा है। इन दिनों शादी समारोह का सीजन चल रहा है। देर रात तक कार्यक्रमों में शामिल होना, ठंडी चीजें खाना, नींद पूरी न होना और भीड़भाड़ में समय बिताने से भी वायरल संक्रमण फैलने की बड़ी वजह सामने आई है। डाक्टरों के अनुसार कई लोग हल्का बुखार या सर्दी होने के बाद भी इसे नजरअंदाज कर रहे हैं, जिससे स्थिति गंभीर हो रही है। संक्रमण परिवार के अन्य लोगों तक भी फैल रहा है।

गंभीर बीमारियों वाले मरीजों के लिए ज्यादा जोखिम: शुगर, बीपी, कैंसर, हृदय रोग, लिवर, अस्थमा, गर्भवती महिलाओं और किडनी से संबंधित बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए यह मौसम ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। वायरल फीवर होने पर इन बीमारियों से पीड़ित मरीजों की रिकवरी धीमी हो जाती है। कई बार उनकी स्थिति बिगडऩे पर अस्पताल में भर्ती तक कराना पड़ रहा है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का असर ज्यादा समय तक बना रहता है।

बच्चों और बुजुर्गों पर ज्यादा असर

डॉक्टरों के अनुसार छोटे बच्चों और बुजुर्गों में भी वायरल फीवर के मामले बढ़ रहे हैं। तापमान में अचानक बदलाव से उनकी इम्युनिटी जल्दी प्रभावित होती है, जिससे बुखार और खांसी लंबे समय तक बनी रहती है। ऐसे में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। इस मौसम में हल्के गर्म कपड़े साथ रखना, ठंडी चीजों से परहेज करना और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सावधानी बरतना जरूरी है। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी, फल-सब्जियां और भरपूर नींद शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं।

राजस्थान और उड़ीसा अपनाएंगे ऑनलाइन औचक निरीक्षण व्यवस्था

मप्र में सडक़ों की गुणवत्ता सुधारने के लिए शुरू किया गया फार्मूला हुआ हिट

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में सडक़ों की गुणवत्ता सुधारने के लिए शुरू की गई ऑनलाइन औचक निरीक्षण का फॉर्मूला हिट हो गया है। मध्य प्रदेश के निरीक्षण का यह फॉर्मूला अब दो अन्य राज्यों को भी पंसद आया है। राजस्थान और उड़ीसा भी अब एमपी के इस नवाचार को अपनाने की तैयारी कर रहे हैं। दोनों ही राज्यों ने मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण विभाग से ऑनलाइन औचक निरीक्षण के तरीकों की जानकारी मांगी है। मध्य प्रदेश में निरीक्षण के ऑनलाइन तरीकों से सडक़ों की गुणवत्ता में सुधार आया है, हालांकि विभाग को कई बार निचले स्टाफ की नाराजगी का भी सामना करना पड़ा है। प्रदेश में सडक़ों के निर्माण में उसकी गुणवत्ता को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। थोड़े से पानी में सडक़ें उखडऩे लगती हैं। कई बार निर्माण के दौरान ही घटिया गुणवत्ता को लेकर लोगों की नाराजगी सोशल मीडिया पर दिखाई देती है। पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह कहते हैं कि निरीक्षण की व्यवस्था को पुख्ता करने और सही मायने में निरीक्षण करने के लिए विभाग में ऑनलाइन औचक निरीक्षण की व्यवस्था शुरू की गई थी। औचक निरीक्षण महीने में दो दिन 5 और 20 तारीख को किया जाता है। इसमें चीफ इंजीनियर से लेकर पूरा इंजीनियर विभाग औचक निरीक्षण करता है। औचक निरीक्षण में एक दिन पहले तक किसी को पता नहीं होता कि किस अधिकारी को कहां निरीक्षण के लिए जाना है? विभाग ने औचक निरीक्षण के लिए एक सॉफ्टवेयर विकसित किया है। इसी सॉफ्टवेयर के माध्यम से उन्हें 24 घंटे पहले जानकारी मिलती है कि निरीक्षण किस जिले में करना है।

जनगणना में जानकारी देने से किया इंकार तो होगी कार्रवाई

15-16 साल बाद जनगणना का पहला चरण 1 मई से 30 मई तक होगा

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में 2011 के बाद 1 मई से जनगणना का काम शुरू होने जा रहा है। यह पहला मौका होगा जब पूरी जनगणना डिजीटल माध्यम से की जाएगी। आम व्यक्ति मोबइल एप पर खुद भी जनगणना से जुड़ी पूरी जानकारी दे सकता है। जनगणना के दौरान हर व्यक्ति को जनगणना से जुड़ी जानकारी देना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। 15-16 साल बाद होने जा रही

जनगणना में इस बार डिजिटल तकनीक का उपयोग किया जाएगा। जनगणना के दौरान सरकारी कर्मचारी प्रगणक मोबाइल एप का उपयोग कर जनगणना करेंगे। जनगणना के लिए कुछ विशेष डिजिटल टूल तैयार किए गए हैं, इसमें ही प्रगणक घर-घर जाकर लोगों के परिवार और उनसे जुड़ी जानकारी जुटाएंगे। डेटा को एप के माध्यम से रियल टाइम पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा।

15 अप्रैल से भर सकेंगे ऑनलाइन जानकारी

इस बार जनगणना में आम नागरिक एप के माध्यम से जनगणना से जुड़ी तमाम जानकारी खुद ही भर सकेंगे। यह बेहद आसान होगा, इसमें एक पेज खुलेगा, जिसमें एक-एक कर पूरी जानकारी भरनी होगी और यह जानकारी अपलोड हो जाएगी। हालांकि, इसके बाद भी प्रगणक घर पहुंचेंगे और जानकारी भरे जाने की पुष्टि करेंगे।

7000 करोड़ खर्च लेकिन नहीं बन पाई स्मार्ट सिटी

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में 7 हजार करोड़ खर्च होने के बाद भी स्मार्ट सिटी तैयार नहीं हो पाई है। इस परियोजना के लिए केंद्र और राज्य सरकार दोनों ने ही पर्याप्त बजट दिया, लेकिन इसके बाद भी भोपाल सहित सात जिलों में परियोजनाओं का काम अधूरा पड़ा हुआ है। खास तौर पर भोपाल में स्मार्ट सिटी का काम कई चरण में पूरा नहीं हो पाया है, जबकि राज्य सरकार ने स्मार्ट सिटी के लिए काफी ज्यादा बजट भी खर्च किया था। केंद्र सरकार से भी जमकर फंड आया फिर भी योजना धरातल पर नहीं उतर पाई। स्मार्ट सिटी योजना के तहत भोपाल में कई इलाकों में काम चल रहा है। इसके अलावा स्मार्ट सिटी में कॉलोनी दुकान और मल्टीलेयर के साथ मल्टीपरपज एरिया डेवलप नहीं हो पाया है। उसके पीछे की वजह है कि केंद्र की तरफ से पैसा जरूर आया

लेकिन राज्य सरकार अपने हिस्से का फंड समय पर नहीं दे पाई। बाद में टेंडर जारी हुए काम आधा अधूरा हुआ लेकिन पेमेंट पूरा हो गया। 11 साल पूरे होने के बाद भी भोपाल सहित जिन जिलों में स्मार्ट सिटी का काम शुरू हुआ था वहां पर धरातल पर कोई विशेष और सफलता पूर्ण परियोजना पूरी नहीं हुई है। साल 2015 में मध्य प्रदेश के सात शहरों को शामिल किया गया था, जिसमें भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, सतना और उज्जैन को आधुनिक बुनियादी ढांचे और पर्यावरण के साथ-साथ बेहतर जीवन के लिए चुना गया था।

मध्य प्रदेश में बिना परमिट दौड़ रही बसों पर कसेगा शिकंजा

16 फरवरी से शुरू होगा विशेष जांच अभियान

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश की सडक़ों पर नियमों का उल्लंघन कर मनमाने तरीके से चल रही बसों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिना परमिट या निर्धारित रूट का पालन न करने वाले बस ऑपरेटरों पर परिवहन विभाग शिकंजा कसने जा रहा है। नए परिवहन आयुक्त उमेश जोगा के पदभार ग्रहण करने के बाद विभाग ने सख्त रुख अपनाया है और 16 फरवरी से प्रदेशव्यापी विशेष जांच अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर जैसे प्रमुख शहरों में परमिट उल्लंघन की बढ़ती शिकायतों ने विभाग की चिंता बढ़ा दी है, जिसके चलते विस्तृत डेटा विश्लेषण भी किया जा रहा है। भोपाल में

भी विशेष अभियान चलाकर बसों की जांच की जाएगी। पिछले वर्ष भी परिवहन कार्यालय ने बसों की लगातार जांच का अभियान चलाया था।

नियमों का उल्लंघन जारी

हालांकि, पूरे साल चले अभियान के बावजूद नियमों का उल्लंघन जारी रहा है। अब एक बार फिर बड़े पैमाने पर जांच की जाएगी। भोपाल से विभिन्न रूटों पर प्रतिदिन सैकड़ों बसों का संचालन होता है। इन बसों में निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग विशेष अभियान शुरू करेगा। जांच के दौरान बसों में कमियां पाए जाने पर जब्ती के साथ ही जुर्माने की कार्रवाई की जाती है। लगातार की जा रही कार्रवाई के कारण बस संचालक अपनी बसों की कमियों को दूर कर लेते हैं, जिससे हादसों पर अंकुश लगता है। इसी को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग जांच अभियान को पुन: शुरू करने जा रहा है। स्लीपर बसों पर भी कार्रवाई की गई है, जिसमें फायर डिटेक्शन एंड सप्रेशन सिस्टम, आपातकालीन द्वार और ड्राइवर केबिन में नियमों के विरुद्ध पार्टीशन को लेकर कार्रवाई की गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-01, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आरर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई. क्रमांक- MPHIN/2015/66998, e-mail□ vijaymat.sdl@gmail.com। मोबाइल- +91 88899 77997